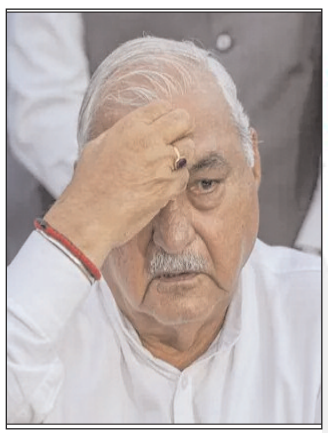

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

कम नही हो रही हरियाणा के पुर्व..... पेज: 6

हैदराबाजी लहजा सिखने के लिए हंसिका मोटवानी... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 31 | शनिवार 02 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

जम्मू में निर्माणाधीन पुल का पिलर गिरा, कई मजदूर मलबे में दबे

-सेना, पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर; रेस्क्यू ऑपरेशन तेज

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू जिले के बंतलाब–ठथर इलाके में शुक्रवार शाम एक निर्माणाधीन पुल का पिलर गिरने से बड़ा हादसा हो गया। घटना करीब शाम 4 बजे उस समय हुई, जब पुल का एक हिस्सा अचानक ढह गया और वहां काम कर रहे कई मजदूर मलबे के नीचे दब गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार 4 से 6 मजदूरों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे के तुरंत बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू करने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं। इसके साथ ही बचाव कार्य के लिए भारतीय सेना, जम्मू कश्मीर पुलिस, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें संयुक्त रूप से अभियान चला रही हैं। मौके पर बड़े स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। रेस्क्यू टीमें सावधानीपूर्वक मलबा हटाकर अंदर फंसे लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक अभी तक प्रभावित मजदूरों की सटीक संख्या की पुष्टि नहीं हो सकी है। हालांकि सभी को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं।

ठाणे में भाजपा सांसद सावर की कार का एक्सीडेंट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में शुक्रवार सुबह भाजपा सांसद हेमंत सावर की कार का एक्सीडेंट हो गया। हादसा घोड़बंदर रोड पर हुआ, जब उनकी कार सामने से आ रहे एक डंपर से टकरा गई। दुर्घटना में सांसद सावर सुरक्षित बच गए, जबकि उनके कार चालक को हल्की चोटें आई हैं। टक्कर के बाद कार के एयरबैग तुरंत खुल गए, जिससे बड़ा नुकसान टल गया। सूचना मिलते ही नायगांव पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और मदद पहुंचाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

निजामुद्दीन–मुंबई ट्रेन में 6.30 करोड़ की ड्रग्स के साथ महिला गिरफ्तार, ट्रॉली बैग में छिपाया था मेथम्फेटामाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से मुंबई जा रही निजामुद्दीन ट्रेन में ड्रग्स तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है, इसमें सूरत रेलवे स्टेशन पर एक महिला को करीब 6.30 करोड़ रुपये की मेथम्फेटामाइन के साथ गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर की। जानकारी के अनुसार, जांच एजेंसी को पहले से सुराग मिला था कि एक महिला ट्रेन में भारी मात्रा में नशीला पदार्थ लेकर यात्रा कर रही है, यहां तक कि उसकी सीट संख्या की पता चल गई थी। इसके बाद डीआरआई की टीम ने सूरत स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचते ही संदिग्ध महिला को पकड़ लिया। शुरुआती पूछताछ में महिला ने खुद को सामान्य यात्री बताया, जिससे डीआरआई अधिकारियों को तुरंत कोई शक नहीं हुआ। लेकिन जब महिला के ट्रॉली बैग की गहन जांच हुई, तब सच्चाई सामने आ गई। बैग के निचले हिस्से में टेप की मदद से ड्रग्स के पैकेट चिपकाए गए थे, जबकि ऊपर कपड़े और जूतों के डिब्बे इस तरह रखे गए थे कि किसी को शक नहीं हो। गिरफ्तार महिला की पहचान 45 वर्षीय मेलारियो हेनरी के रूप में हुई है, जो महाराष्ट्र के नासिक की निवासी है। बरामद मेथम्फेटामाइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 6.30 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह बरामदगी दर्शाती है कि तस्कर बेहद चालाक और संगठित तरीके से काम कर रहे हैं। गिरफ्तारी के बाद महिला को सूरत की अदालत में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने महिला को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। फिलहाल डीआरआई अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं और ड्रग्स के स्रोत, सप्लाई चेन तथा उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। शुरुआती जांच में मामला एक बड़े संगठित गिरोह से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। जांच अधिकारियों को संदेह है कि इस तस्करी के पीछे अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का हाथ हो सकता है। दिल्ली से सूरत होकर मुंबई तक इतनी बड़ी मात्रा में ड्रग्स की सप्लाई किसी बड़े लॉजिस्टिक्स नेटवर्क की ओर इशारा करती है। डीआरआई अब दिल्ली और मुंबई में भी जांच का दायरा बढ़ा रही है।

हमें सरकार से पैसा नहीं चाहिए, मासूमों की मौत के हत्यारे चाहिए

-मणिपुर में बम धमाके में मृत भाई-बहनों का 25 दिन बाद भी अंतिम संस्कार नहीं

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के ट्रोंगलाओबी गांव में 7 अप्रैल को बम धमाके में 5 साल के बच्चे और उसकी 6 माह की बहन की मौत हो गई थी। दो भाई–बहनों का शव 25 दिन बाद भी इंफाल के रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में रखे हैं। इस हमले का आरोप संदिग्ध कुकी उग्रवादियों पर लगाया गया है। इन मासूम मौतों ने मणिपुर हिंसा के दर्द को कई गुना बढ़ा दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खुले खेतों के पास बने घर में घुसते ही दीवार और आसपास मौजूद टिन की चादरों पर बम के छर्रों से हुए छेद दिल दहला देते हैं। जिस खिड़की पर बम फोड़ा गया था, उसकी मरम्मत करा दी गई है, लेकिन पूरा परिवार सदमे में है। बच्चों के बुजुर्ग दादा बाबुटन ओइनाम कहते हैं सरकार 10–10 लाख रुपए लेकर बच्चों का अंतिम संस्कार करने को कह रही है, लेकिन हमें पैसा नहीं चहिए। हमें हत्यारे चाहिए। मणिपुर की बीजेपी सरकार ने इस घटना की जांच एनआईए को सौंपी है। हैरानी वाली बात ये है कि शुरुआत में कुछ संदिग्ध कुकी उग्रवादियों को गिरफ्तार करने की खबरें आईं थी, लेकिन आरोपी कौन हैं, कहां के हैं, ऐसे कई सवालों पर सरकार और पुलिस चुप्पी साधे हुए है। बाबुटन ने बताया कि सरकार जिन तीन लोगों को पकड़ने का दावा कर रही है, उनके बारे में लोग कह रहे हैं कि ये उग्रवादी पहले से जेल में बंद हैं। फिर पुलिस ने उन्हीं को दोबारा क्यों गिरफ्तार किया? इन्हीं झूठे दावों के चलते हम अपने बच्चों के शव अब तक घर नहीं लाए। रिपोर्ट के मुताबिक बाबुटन ओइनाम ने कहा कि हम तब तक अपने बच्चों का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे, जब तक उन्हें मारने वालों को सरकार गिरफ्तार कर सजा नहीं दे देती है। पुलिस ने किसे गिरफ्तार किया, हमें नहीं पता। उन निर्दयी लोगों ने एक ऐसी नन्हीं बच्ची को मार डाला, जिसने जन्म के बाद अन्न का एक दाना भी नहीं चखा था। उन्होंने कि कि गृह मंत्री गोविंदास कोंथौजम सिंह घटना के बाद हमारे घर पर आए थे। हमने उनसे दो टूक कहा हत्यारों को हमारे सामने सजा दो।

उत्तर से लेकर पूर्वोत्तर तक बदलेगा मौसम का मिजाज

धूल भरी आंधी और भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मई महीने की शुरुआत के साथ ही देश के बड़े हिस्से में मौसम के मिजाज में व्यापक बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग ने उत्तर, मध्य और पूर्वोत्तर भारत के लिए विशेष चेतावनी जारी की है, जिसमें मैदानी इलाकों में धूल भरी आंधी और गरज के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। हालांकि इस बदलाव से तपती गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, लेकिन आंधी, बिजली गिरने और भारी वर्षा के कारण सुरक्षा का खतरा भी बना रहेगा।

राजधानी दिल्ली सहित हरियाणा और चंडीगढ़ में 1 से 6 मई के बीच मौसम का असर दिखेगा। इस दौरान इन क्षेत्रों में 40 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं और गरज-चमक के साथ हल्की बारिश की संभावना है। उत्तर प्रदेश और राजस्थान में भी 6 मई तक मौसम अस्थिर रहने वाला है। राजस्थान, विशेषकर पूर्वी हिस्सों में धूल भरी आंधी के साथ छिटपुट बारिश के आसार हैं। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और

हिमाचल प्रदेश में 5 मई तक मौसम सबसे अधिक सक्रिय रहेगा, जिससे पहाड़ी क्षेत्रों में यातायात और सामान्य जीवन प्रभावित हो सकता है। पूर्वी भारत में मौसम का सबसे आक्रामक रूप देखने को मिल सकता है। बिहार और झारखंड में अगले एक सप्ताह तक आंधी-तूफान का सिलसिला जारी रहने का पूर्वानुमान है। बिहार में 2 मई से 70 किमी/घंटा की रफ्तार वाला भीषण तूफान और भारी बारिश आने की आशंका है, जिसे लेकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही ओडिशा के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि की भी प्रबल संभावना जताई गई है। पूर्वोत्तर राज्यों–असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में स्थिति चिंताजनक हो सकती है। अगले चार दिनों तक यहां मूसलाधार बारिश का अनुमान है। विशेष रूप से असम और मेघालय में 2 और 3 मई को अत्यधिक वर्षा के कारण बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। मध्य भारत के राज्यों, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। मध्य प्रदेश में 50 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलेंगी, वहीं छत्तीसगढ़ में 4 मई को 70 किमी/घंटा की रफ्तार वाले तूफान की चेतावनी दी गई है, जो काफी नुकसानदायक साबित हो सकता है।

खेड़ा मामले में कांग्रेस सीएम सरमा पर हमलावर, पत्नी से जुड़े मामले में तथ्यों को सामने रखे

-सुप्रीम कोर्ट से पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत मिलने के बाद आई प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट की ओर से कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत मिलने के बाद सियासी पारा चढ़ा हुआ है। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को 'सच्चाई और न्याय की जीत' करार देकर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने फैसले पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि सच्चाई की जीत हुई है और न्याय हुआ है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सरमा को अपनी पत्नी से जुड़े मामले में तथ्यों को सामने रखना चाहिए था, लेकिन इसके बजाय उन्होंने पवन खेड़ा को अपमानित करने के लिए दिल्ली और हैदराबाद में पुलिस भेजी। कांग्रेस सांसद तिवारी ने सरमा की इस कार्रवाई को सत्ता का दुरुपयोग और अहंकार बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस तरह की कार्रवाई स्वीकार्य नहीं हो सकती और यह राजनीतिक प्रतिशोध का स्पष्ट उदाहरण है।

पूरे मामले में कांग्रेस ने भाजपा पर लगातार निशाना साधकर कहा कि विपक्षी नेताओं को दबाने की कोशिश हो रही है। पार्टी का कहना है कि अदालत के फैसले ने साफ किया है कि कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई की जा रही थी। वहीं, कांग्रेस नेताओं ने असम के मुख्यमंत्री सरमा के इस्तीफे की मांग तेज कर दी है। उनका कहना है कि इस मामले के बाद नैतिक आधार पर उन्हें पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है, जिससे आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर राजनीतिक टकराव और बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं।

हज यात्रा के हवाई किराए में बढ़ोत्तरी, औवेसी का हमला...'जायरीनों का शोषण'

नई दिल्ली(एजेंसी)। नहज यात्रा के हवाई किराए में 10,000 रुपये की बढ़ोतरी को लेकर देश में राजनीतिक और सामाजिक विवाद बढ़ गया है। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने यह फैसला वैश्विक परिस्थितियों, खासकर मध्य-पूर्व में तनाव और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की बढ़ती कीमतों को देखकर लिया है। कमेटी, जो अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के तहत काम करती है, ने स्पष्ट किया कि यह बढ़ोतरी एक बार की है और यात्रियों को अतिरिक्त 100 अमेरिकी डॉलर (करीब 10,000 रुपये) देना होगा। केंद्र सरकार के अनुसार, ईरान में 28 फरवरी से जारी संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर एटीएफ की कीमतें दोगुनी से ज्यादा बढ़ गई हैं। एयरलाइंस की कुल लागत में ईंधन का हिस्सा 30-40 प्रतिशत तक होता है, इसलिए इस बढ़ोतरी का सीधा असर हवाई किराए पर पड़ रहा है। हज कमेटी के सर्कुलर में कहा गया है कि सभी जायरीनों को 15 मई तक अतिरिक्त राशि जमा करनी होगी, ताकि यात्रा व्यवस्थाएं प्रभावित न हों।

हालांकि, हज कमेटी के फैसले का विरोध भी तेज हो गया है। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने इस फैसले को ÷जायरीनों का शोषण÷ करार देकर मोदी सरकार से सर्कुलर वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि अधिकांश लोग हज यात्रा के लिए वर्षों तक पैसे बचाते हैं और यह कोई विलासिता नहीं बल्कि धार्मिक कर्तव्य है। ओवैसी ने उल्लेख किया कि पहले ही कुछ एम्बार्केशन पॉइंट्स से यात्रा का किराया काफी ज्यादा था, इसके बाद अंतिम समय पर अतिरिक्त बोझ डालना अनुचित है। इसी तरह, कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी ने भी सवाल उठाया कि जब किराया पहले तय हो चुका था, तब यात्रा से ठीक पहले यह बढ़ोतरी क्यों की गई। विपक्ष का आरोप है कि यह फैसला गरीब और मध्यम वर्ग के यात्रियों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव डालने के लिए किया गया है।

लेकिन मामले में विवाद बढ़ने पर केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने केंद्र सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि एयरलाइंस ने शुरुआत में प्रति यात्री 300 से 400 डॉलर अतिरिक्त शुल्क की मांग की थी, लेकिन केंद्र सरकार के हस्तक्षेप कर घटाकर केवल 100 डॉलर किया गया। केंद्रीय मंत्री रिजिजू के अनुसार, यह निर्णय पारदर्शिता और संतुलन के साथ लिया गया है, ताकि यात्रियों पर अधिक बोझ न पड़े और यात्रा सुचारु रूप से जारी रह सके। मोदी सरकार ने स्पष्ट किया कि यह ÷शोषण÷ नहीं बल्कि एक व्यावहारिक समाधान है, जिससे यात्रियों को और अधिक महंगे किराए से बचाया गया है। फिलहाल, इस मुद्दे पर बहस जारी है और यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि केंद्र सरकार आगे कोई राहत देती है या नहीं।

बंगाल चुनाव परिणामों को लेकर बीजेपी ने बुलाई हाईप्रोफाइल बैठक

–ममता को अपनी जीत और चौथी बार सत्ता में वापसी का पूरा भरोसा

लखनऊ (एजेंसी)। कोलकाता, (ईएमएस)। भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को कोलकाता में एक उच्च-स्तरीय बैठक बुलाई है। इस बैठक का मकसद पश्चिम बंगाल के अहम विधानसभा चुनावों के लिए 4 मई को होने वाली वोटों की गिनती से पहले पार्टी की तैयारियों की समीक्षा करना है। इस बैठक में पार्टी का नेतृत्व बूथ-स्तर के प्रबंधन और तालमेल की व्यवस्था का जायजा लेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पूरी प्रक्रिया सुचारू रूप से चले। इसके अलावा पार्टी 4 मई के डी-डे के लिए अपनी रणनीति और कार्यप्रणाली को भी अंतिम रूप देगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव प्रचार के दौरान तैनात किए गए सभी प्रवासी जिनमें संसद और विधानसभा सदस्य शामिल हैं उनको इस बैठक में शामिल होने का निर्देश दिया गया है। इन नेताओं को अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों में अहम जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं, और वे अपने-अपने क्षेत्रों से विस्तृत फीडबैक और ताजा जानकारी देंगे। पश्चिम बंगाल में जहां 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में मतदान हुआ था, ज़्यादातर एग्जिट पोल ने बीजेपी की जीत का अनुमान लगाया है। इन

अनुमानों में बीजेपी को सीएम ममता बनर्जी की टीएमसी पर साफ बढ़त मिलती दिख रही है। हालांकि, कुछ एग्जिट पोल ने टीएमसी की जीत का अनुमान भी लगाया है।

मैट्रिज़ एग्जिट पोल के अनुमानों के मुताबिक बीजेपी को 146 से 161 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि टीएमसी को करीब 125 से 140 सीटें मिलने का अनुमान है। 294 सदस्यों वाली पश्चिम बंगाल विधानसभा में अन्य दलों को भी 6 से 10 सीटें मिल सकती हैं। एग्जिट पोल के अनुमानों से बीजेपी का उत्साह बढ़ा हुआ है। पीएम मोदी ने कहा है कि वह अगली बार पश्चिम बंगाल का दौरा बीजेपी के सीएम के शपथ ग्रहण समारोह के लिए करेंगे।

हालांकि एग्जिट पोल में टीएमसी के मुकाबले बीजेपी को बढ़त दिखाई गई है। वहीं ममता बनर्जी को अपनी जीत और लगातार चौथी बार सत्ता में वापसी का पूरा भरोसा है। हालांकि गुरुवार को जारी एक वीडियो संदेश में सीएम ने टीएमसी के कार्यकर्ताओं और नेताओं से ईवीएम रखे जाने वाले स्ट्रांग रूम पर 24 घंटे कड़ी निगरानी रखने की अपील की। ??उन्होंने आरोप लगाया कि वोटों की गिनती शुरू होने से पहले बीजेपी मशीनों के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश कर सकती है। उन्होंने एग्जिट पोल के अनुमानों को भी सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम 226 का आंकड़ा पार कर लेंगे। हो सकता है कि हम 230 तक भी पहुंच जाएं, जिस तरह से लोगों ने वोट दिया है, उस पर मुझे पूरा भरोसा है।

मतदाताओं का शुक्रिया अदा करते हुए उन्होंने कहा कि इतनी भीषण गर्मी और इतने ज़्यादा जुल्म के बावजूद, जिस तरह आप लोग वोट डालने के लिए कतारों में खड़े रहे हम आपके आभारी हैं। मैं अपने कार्यकर्ताओं की भी आभारी हूं। उन्होंने अपनी पूरी ताक़त से लड़ाई लड़ी। उन्होंने बहुत जुल्म सहे, जिन लोगों ने बंगाल को दबाने की कोशिश की, वे खुद ही बैलेट बॉक्स में दब गए।

इस एग्जिट पोल ने दे दिया ममता को खुश होने का मौका, टीएमसी नेता कर रहे बल्ले–बल्ले

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर जारी विभिन्न एग्जिट पोल के नतीजों ने राजनीतिक माहौल को गर्मा दिया है। कई सर्वे एजेंसियों के अनुमान अलग–अलग तस्वीर दिखा रहे हैं, जिससे राज्य की सियासी स्थिति को लेकर स्पष्टता नहीं बन पा रही है। इसी बीच एक सर्वे एजेंसी पोलीक्यू के एग्जिट पोल ने सभी को चौंका दिया है, क्योंकि इसके अनुमान अन्य प्रमुख सर्वे से काफी अलग दिख रहे हैं। पोलीक्यू के एग्जिट पोल के अनुसार भारतीय जनता पार्टी को बंगाल में इस बार 50 से 82 सीटों के बीच ही सीमित रहना पड़ सकता है। यह आंकड़ा 2021 विधानसभा चुनाव से भी कम माना जा रहा है, जब बीजेपी को 77 सीटें मिली थीं। वहीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के लिए सर्वे सकारात्मक संकेत देता है। पोलीक्यू का अनुमान है कि टीएमसी को 200 से 220 सीटें मिल सकती हैं, जो 2021 के चुनाव में मिली 215 सीटों के लगभग बराबर या उससे थोड़ा बेहतर रहेगा। सर्वे के मुताबिक वाम दलों का प्रदर्शन कमजोर रहने की संभावना है और उन्हें 0 से 3 सीटें मिल सकती हैं। कांग्रेस को भी सीमित सफलता मिलने का अनुमान है, जहां उसे 1 से 2 सीटों के बीच जीत मिल सकती है। अन्य दलों के खाते में भी 0 से 3 सीटें जाने की संभावना है। पोलीक्यू ने दावा किया है कि उसने सीटवार विश्लेषण तैयार किया है, जिसमें हर सीट पर संभावित विजेता का आकलन किया है। हालांकि, यह ध्यान देने योग्य है कि अन्य प्रमुख एग्जिट पोल पोलीक्यू के अनुमान से अलग तस्वीर पेश कर रहे हैं। कुछ सर्वेक्षण बीजेपी को बढ़त और संभावित सरकार बनाने की स्थिति में दिखा रहे हैं, जबकि कुछ टीएमसी को फिर से बहुमत के करीब बता रहे हैं। इस कारण पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

राहुल के आरोपों पर बोले पूर्व वायू सेना प्रमुख

भारत की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए गेम चेंजर होगा

नई दिल्ली(एजेंसी)। ग्रेट निकोबार द्वीप समूह में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को लेकर देश में राजनीतिक और रणनीतिक बहस तेज हो गई है। पूर्व वायुसेना प्रमुख और भारतीय जनता पार्टी के नेता आरकेएस भदौरिया ने इस परियोजना पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। भदौरिया ने स्पष्ट किया कि यह प्रोजेक्ट केवल विकास का जरिया नहीं, बल्कि भारत की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के लिए एक गेम चेंजर साबित होगा।

हाल ही में राहुल गांधी ने इस परियोजना को पर्यावरण और आदिवासियों के खिलाफ एक बड़ा अपराध करार दिया था। उन्होंने दावा किया था कि 160 वर्ग किलोमीटर के वर्षावन और लाखों पेड़ों की कटाई से भारी विनाश होगा। हालांकि, इन दावों का जवाब देते हुए आरकेएस भदौरिया ने कहा कि यह नैरेटिव पूरी तरह भ्रामक है। उन्होंने जानकारी दी कि परियोजना से कुल वन क्षेत्र का केवल 1.78 प्रतिशत हिस्सा ही प्रभावित होगा। साथ ही, आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए विशेष समितियों का गठन किया गया है, जिससे उनके लिए विकास के नए द्वार खुलेंगे। भदौरिया ने इस मेगा-प्रोजेक्ट के सामरिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसमें एक अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांस-शिपमेंट बंदरगाह, एक ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा (नागरिक और सैन्य उपयोग हेतु), 450 मेगावाट का पावर प्लांट और करीब 6.5 लाख लोगों की क्षमता वाली एक नियोजित टाउनशिप शामिल है।

यह परियोजना सामरिक दृष्टि से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत को स्ट्रेट ऑफ मलक्का और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे प्रमुख वैश्विक व्यापारिक मार्गों के बेहद करीब स्थापित करेगी। दुनिया का लगभग 25-30 प्रतिशत व्यापार इसी मार्ग से होता है और चीन का 75 प्रतिशत ऊर्जा आयात इसी रास्ते पर निर्भर है। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की निगरानी क्षमता बढ़ेगी और चीन की बढ़ती गतिविधियों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। वहीं, सैन्य विशेषज्ञों ने भी इस प्रोजेक्ट का समर्थन किया है। पूर्व मेजर जनरल केके सिन्हा ने इसे देश के लिए एक निर्णायक कदम बताया। उन्होंने

चेतावनी दी कि कुछ विदेशी शक्तियां और विरोधी देश नहीं चाहते कि भारत इस क्षेत्र में मजबूत हो। उन्होंने देश के भीतर उठ रहे विरोध को एक विशेष एजेंडे का हिस्सा बताते हुए कहा कि यह परियोजना भारत की समुद्री और हवाई शक्ति को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान करेगी।

मातृभाषा पर गर्व करना जरूरी, भाषा के नाम हिंसा या भेदभाव को बर्दाश्त नहीं

–महाराष्ट्र में मराठी भाषा के अनिवार्यता को लेकर बढ़ती बहस सीएम बोले

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठी भाषा के अनिवार्यता को लेकर बढ़ती बहस के बीच सीएम देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि जहां अपनी मातृभाषा पर गर्व करना जरूरी है, वहीं, राज्य सरकार भाषा के आधार पर होने वाली हिंसा या भेदभाव को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने महाराष्ट्र दिवस के मौके पर कहा कि राज्य में रहने वाले हर व्यक्ति को स्थानीय भाषा सीखनी चाहिए, उन्होंने भाषाई गौरव के नाम पर हिंसा या डराने-धमकाने के इस्तेमाल के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राज्य सरकार ने रिक्शा चालकों को मराठी बोलने और जिनको नहीं आती उनको सीखने के लिए अनिवार्य कर दिया है, जिसके बाद

रिक्शा यूनियनों ने विरोध किया। रिक्शा यूनियनों के विरोध की वजह से सरकार को अनुपालन की समय सीमा अगस्त तक बढ़ानी पड़ी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने सवाल उठाया कि किसी में मराठी बोलने से इनकार करने की हिम्मत कैसे हो सकती है? जिसके बाद मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया। राज ठाकरे ने सरकार की नरमी की आलोचना करते हुए सुझाव दिया कि नियमों का पालन न करने वाले चालकों के परमिट रद्द कर दिए जाने चाहिए।

राज ठाकरे को जवाब देते हुए, सीएम फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र कभी भी संकीर्ण सोच वाला राज्य नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र ने कभी भी ऐसी मानसिकता नहीं रखी कि प्रवासी यहां न रहें या यहां केवल कुछ खास लोग ही रहें। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हमें सिखाया है कि महाराष्ट्र धर्म इस तरह के बहिष्कार का समर्थन नहीं करता। मुझे यह देखकर गर्व होता है कि मेरे मराठी भाई देश भर में जिस भी राज्य में रहते हैं, वहां की संस्कृति और विकास में योगदान दे रहे हैं।

सीएम ने कहा कि महाराष्ट्र में रहने वाले हर व्यक्ति को मराठी सीखनी चाहिए। उन्होंने जोर-जबरदस्ती को लेकर सख्त रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि सरकार का इरादा निवासियों को भाषा सीखने में मदद करना है। फडणवीस ने कहा कि मराठी एक सुंदर और सरल भाषा है, जिसे बिना किसी संघर्ष या हमले का सहारा लिए आसानी से सिखाया जा सकता है।

2050 तक जानलेवा गर्मी का खतरा, प्रलय जैसी स्थिति से दहशत में दुनिया

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। आने वाले दो दशक मानवता के अस्तित्व के लिए सबसे निर्णायक साबित होने वाले हैं। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स और वैज्ञानिकों की चेतावनियां एक भयावह भविष्य की ओर इशारा कर रही हैं। यदि वर्तमान उत्सर्जन और प्रकृति के दोहन की गति यही रही, तो साल 2040 से 2050 के बीच दुनिया के कई शहरों में गर्मी इतनी जानलेवा हो जाएगी कि बिना कृत्रिम कूलिंग के घर से बाहर निकलना मौत को दावत देने जैसा होगा।

प्रकृति, जो प्रो-क्रिएशन यानी जीवन की उत्पत्ति का आधार है, उसे आज हम अपनी लालसा से बांझ बना रहे हैं। इसे एक रूपक से समझें तो जब धन का दुरुपयोग करने वाले दुर्योधन और गलत नीतियों का साथ देने वाले दुशासन मिलते हैं, तो वे प्रकृति रूपी पांचाली का चीरहरण करते हैं। हम इंसान ही आज प्रकृति के पांच तत्वों का अपमान कर रहे हैं, जिसका खामियाजा आने वाली पीढ़ियों को भुगतना होगा। आज हम संपत्ति खड़ी कर सकते हैं, लेकिन 20 साल बाद जब वही जमीन बाढ़ या भूस्खलन में समा जाएगी और लहलहाते खेत सूरज की तपिश से जल जाएंगे, तब उस धन का कोई मूल्य नहीं बचेगा।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, 2050 तक शहरों में खतरनाक गर्मी से प्रभावित गरीबों की संख्या में 700 प्रतिशत की वृद्धि होगी। दक्षिण-पूर्व एशिया और भारत जैसे देशों में हीट इंडेक्स 51डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जहां इंसान कुछ घंटों से ज्यादा बाहर नहीं रह पाएगा। यह गर्मी केवल एक मौसम नहीं, बल्कि एक साइलेंट किलर बन जाएगी।

जल संकट की स्थिति और भी भयावह है। हिमालय के ग्लेशियर, जो एशिया की जीवनरेखा हैं, 2050 तक अपने अधिकतम पिघलाव (पीक वॉटर) तक पहुंच जाएंगे। इसके बाद नदियों में पानी कम होने लगेगा। अनुमान है कि 2100 तक 50 से 80 प्रतिशत ग्लेशियर खत्म हो जाएंगे, जिससे गंगा, यमुना और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियां सूखने की कगार पर होंगी। इसका सीधा असर खेती, बिजली उत्पादन और दो अरब लोगों की प्यास पर पड़ेगा। बढ़ते तापमान और सूखती नदियों के कारण लाखों प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। वैज्ञानिकों का मानना है कि प्रलय जैसा यह माहौल इस सदी के अंत तक पूरी तरह प्रभावी हो सकता है, लेकिन यदि उत्सर्जन कम नहीं हुआ तो यह संकट 2070 तक ही दस्तक दे देगा। अब फैसला हमारे हाथ में है हमें अपने बच्चों को सूखी नदियां और जहरीली गर्मी वाला प्रलय देना है या एक सुरक्षित और हरी-भरी प्रकृति। 2040-2050 का दशक हमारे सुधार का आखिरी मौका है।

पश्चिम बंगाल में ऐतिहासिक बंपर वोटिंग-खेला होबे बनाम परिवर्तन होबे

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर पश्चिम बंगाल का चुनाव केवल एक राज्य का चुनाव नहीं रह गया है, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक राजनीति,संघीय ढांचे,वैचारिक संघर्ष और चुनावी रणनीतियों का एक ऐसा प्रयोगशाला बन चुका है जिस पर पूरे देश ही नहीं बल्कि वैश्विक राजनीतिक विश्लेषकों की भी पैनी नजर टिकी हुई है।जब मतदान के दोनों चरण अभूतपूर्व उत्साह और अत्यधिक मतदान प्रतिशत के साथ संपन्न हुए,तो यह अपने आप में कई संकेत देता है,पश्चिम बंगाल में मतदान संपन्न हो चुके हैं।

भारतीय राजनीति के भविष्य की दिशा तय होनें की संभावना-4 मई 2026 महीनों से लिखी जा रही कथा के नतीजों का राजनीतिक निष्कर्ष होगा

पश्चिम बंगाल में 92 प्रतिशत से अधिक मतदान कोई साधारण घटना नहीं;यह चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं बल्कि जनता के लिए निर्णायक क्षण बन चुका है.

उच्च मतदान प्रतिशत एंटी- इंकंबेंसी का परिणाम -बीजेपी को फायदा, प्रो-इंकंबेंसी मोबिलाइजेशन-टीएमसी अपनी सत्ता बचा सकती है- स्थानीय उम्मीदवारों की लोकप्रियता क्षेत्रीय मुद्दे और अंतिम समय में मतदाताओं का रुझान निर्णायक भूमिका निभानें की संभावना.

वैश्विक स्तरपर पश्चिम बंगाल का चुनाव केवल एक राज्य का चुनाव नहीं रह गया है, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक राजनीति,संघीय ढांचे,वैचारिक संघर्ष और चुनावी रणनीतियों का एक ऐसा प्रयोगशाला बन चुका है जिस पर पूरे देश ही नहीं बल्कि वैश्विक राजनीतिक विश्लेषकों की भी पैनी नजर टिकी हुई है।जब मतदान के दोनों चरण अभूतपूर्व उत्साह और अत्यधिक मतदान प्रतिशत के साथ संपन्न हुए,तो यह अपने आप में कई संकेत देता है,पश्चिम बंगाल में मतदान संपन्न हो चुके हैं। अब इंतजार है तो सिर्फ 4 मई का जब नतीजे आएंगे और क्लियर हो जाएगा कि सत्ता में ममता बनर्जी की वापसी होगी या फिर इस बार पश्चिम बंगाल में कमल खिलेगा। लेकिन उससे पहले जो एग्जिट पोल सामने आए हैं, वह कहीं ना कहीं ममता बनर्जी की जमीन हिला रहे हैं। तमाम टीएमसी नेताओं की धड़कनें बढ़ा रहे हैं। और कुछ नेता तो क्या कह रहे हैं टीएमसी के? टीएमसी के नेता कह रहे हैं कि बीजेपी हर बार इस तरीके का माहौल बनाती है और उसका माहौल उल्टा ही साबित होता है। इस बार जो बंगाल में 200 पार का यह लोग बातें कर रहे हैं। इस बार वो बातें हवा-हवाई ही साबित होंगी क्योंकि 4 मई को जो नतीजे आएंगे वो टीएमसी के पक्ष में आएंगे। हालांकि बीजेपी वाले जो हैं वो ये कह रहे हैं कि इस बार ममता बनर्जी के साथ खेला होगा। एक तरफ जनता की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी, दूसरी तरफ सत्ता के प्रति गहरी असंतुष्टि या समर्थन का तीव्र भाव। पश्चिम बंगाल में 92 प्रतिशत से अधिक मतदान कोई साधारण घटना नहीं है;यह दशार्ता है कि चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं बल्कि जनता के लिए निर्णायक क्षण बन चुका है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस पृष्ठभूमि में बदला बनाम बदलाव की बहस,वोटों की बरसात और सत्ता परिवर्तन जैसे सवाल केवल नारे नहीं बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान के संकेतक बन जाते हैं।अगर हम ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो पश्चिम बंगाल लंबे समय तक वैचारिक राजनीति का केंद्र रहा है। वामपंथी शासन के तीन दशक और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में आल इंडिया तृणमूल

कांग्रेस (टीएमसी) का उदय, ये दोनों ही चरण बताते हैं कि बंगाल की राजनीति हमेशा परिवर्तनशील रही है।लेकिन वर्तमान चुनाव में जो सबसे बड़ा बदलाव दिखता है,वह है बीजेपी का अभूतपूर्व उभार,जिसने राज्य की पारंपरिक द्विध्रुवीय राजनीति को त्रिकोणीय और अब लगभग द्विध्रुवीय (टीएमसी बनाम बीजेपी) संघर्ष में बदल दिया है।

साथियों बात अगर हम भारत भारत व पूरे विश्व की नजरों मेंअब पहले सबसे बड़े प्रश्न की करें,पूरी दुनिया की नजरें सोमवार 4 मई 2026 के नतीजों पर क्यों टिकी हैं? इसका उत्तर केवल सीटों के गणित में नहीं बल्कि उस राजनीतिक कथा में छिपा है जो भारत के लोकतंत्र को परिभाषित करती है। बंगाल का चुनाव इस बात का संकेत देगा कि क्या क्षेत्रीय दल अभी भी अपने मजबूत गढ़ों को बचा सकते हैं या राष्ट्रीय दलों का विस्तार अब लगभग हर राज्य में संभव हो गया है। यह चुनाव पीएम के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय राजनीति बनाम क्षेत्रीय पहचान की राजनीति का सीधा मुकाबला भी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे लोकल बनाम नेशनल नैरेटिव के रूप में देखा जा रहा है, जो कई लोकतांत्रिक देशों में उभरती प्रवृत्ति से मेल खाता है।

साथियों बात अगर हम बदला या बदलाव,इस प्रश्न को समझने की करें तो पश्चिम बंगाल की राजनीति के सबसे संवेदनशील पहलू को छूता है। बदला शब्द बंगाल में राजनीतिक हिंसा और प्रतिशोध की उस संस्कृति की ओर इशारा करता है जो दशकों से चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा रही है। वहीं बदलाव विकास, प्रशासनिक सुधार और नई राजनीतिक दिशा का प्रतीक है। इस चुनाव में दिलचस्प बात यह रही कि व्यापक रूप से हिंसा की घटनाएं अपेक्षाकृत कम देखने को मिलीं,जिसका श्रेय केंद्रीय बलों की तैनाती और कड़ी निगरानी को दिया जा रहा है। यह बदलाव केवल चुनावी प्रक्रिया में नहीं बल्कि मतदाताओं के मनोविज्ञान में भी झलकता है,वे अब स्थिरता और सुरक्षा को सटीकता से प्राथमिकता दे रहे हैं।

साथियों बात अगर हम दोनों चरणों में 92 प्रतिशत से अधिक हुई बंपर वोटिंग को समझने की करें तो अब सवाल आता है,वोटों की बरसात किसके साथ? अत्यधिक मतदान प्रतिशत आमतौर पर दो तरह के संकेत देता हैःया तो सत्ता के खिलाफ भारी असंतोष, या फिर सत्ता के समर्थन में जबरदस्त लामबंदी।इस बार बंगाल में दोनों ही संभावनाएं मौजूद हैं। एक तरफ टीएमसी ने अपने कल्याणकारी योजनाओं,महिला वोट बैंक और ग्रामीण नेटवर्क के दम पर मजबूत पकड़ बनाए रखी है,वहीं बीजेपी ने हिंदुत्व, राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास के मुद्दों के साथ-साथ संगठनात्मक विस्तार के जरिए शहरी और युवा मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश की है।एग्जिट पोल्स ने इस जटिल समीकरण को और भी रोमांचक बना दिया है।विभिन्न एजेंसियों के अनुमान में बीजेपी को बढ़त दिखाई जा रही है,कुछ में तो स्पष्ट बहुमत का दावा भी किया गया है। हालांकि पोल ऑफ पोल्स एक करीबी मुकाबले की ओर इशारा करता है, जहां टीएमसी और बीजेपी के बीच सीटों का अंतर बहुत ज्यादा नहीं है।भारतीय चुनावी इतिहास में एग्जिट पोल कई बार गलत भी साबित हुए हैं, इसलिए इन्हें अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। फिर भी ये राजनीतिक माहौल और मतदाताओं की संभावित दिशा का संकेत जरूर देते हैं।टीएमसी का दावा है कि ये एग्जिट पोल मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हैं। पार्टी नेताओं का कहना है कि वास्तविक नतीजे उनके पक्ष में आएंगे और बीजेपी का 200 पार का दावा केवल प्रचार है। दूसरी ओर बीजेपी का आत्मविश्वास इस बात को दशार्ता है कि पार्टी को जमीनी स्तर पर अपने प्रदर्शन को लेकर भरोसा है। खेला होबे बनाम परिवर्तन होबे ये नारे अब केवल शब्द नहीं बल्कि दो अलग- अलग राजनीतिक दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

साथियों बात अगर हम इस चुनाव में एक और महत्वपूर्ण पहलू को समझने की करें तो वह है,भ्रष्टाचार के आरोप, विशेषकर कोयला घोटाला। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर इस बार कोई बड़ा उलटफेर होता है, तो उसमें इन आरोपों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। जांच एजेंसियों की कार्रवाई और उससे जुड़ी राजनीतिक बहस ने चुनावी माहौल को प्रभावित किया है। साथ ही, चुनावी रणनीति में पेशेवर संस्थाओं की भूमिका जैसे कि आईपैक भी चर्चा का विषय रही है, जिसने आधुनिक भारतीय चुनावों में डेटा-आधारित रणनीति की अहमियत को उजागर किया है।मतदान के शांतिपूर्ण संपन्न होने का एक और बड़ा प्रभाव यह है कि इससे चुनाव की वैधता और विश्वसनीयता बढ़ी हैअंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लोकतंत्र को अक्सर उसकी जटिलता और विविधता के कारण सराहा जाता है, लेकिन चुनावी हिंसा उसकी छवि को प्रभावित करती रही है। इस बार अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण चुनाव ने यह संदेश दिया है कि भारत अपने चुनावी तंत्र को और मजबूत बना रहा है।

साथियों बात अगर हम सबसे बड़ा प्रश्न,क्या एग्जिट पोल के आंकड़े वास्तविक नतीजों में बदलेंगे? इसको समझने की करें तो,इसका उत्तर 4 मई को ही मिलेगा, लेकिन कुछ संकेतों के आधार पर संभावनाओं का विश्लेषण किया जा सकता है। अगर उच्च मतदान प्रतिशत एंटी-इंकंबेंसी का परिणाम है, तो बीजेपी को फायदा हो सकता है। लेकिन अगर यह ह्लप्रो-इंकंबेंसी मोबिलाइजेशनह्व है, तो टीएमसी अपनी सत्ता बचा सकती है। इसके अलावा, स्थानीय उम्मीदवारों की लोकप्रियता, क्षेत्रीय मुद्दे और अंतिम समय में मतदाताओं का रुझान भी निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पश्चिम बंगाल का यह चुनाव भारतीय राजनीति के भविष्य की दिशा तय करने वाला साबित हो सकता है।यह केवल यह नहीं बताएगा कि सत्ता किसके हाथ में जाएगी, बल्कि यह भी संकेत देगा कि भारत में राजनीति का स्वरूप किस दिशा में विकसित हो रहा है,क्या क्षेत्रीय दल अपनी पकड़ बनाए रखेंगे या राष्ट्रीय दलों का वर्चस्व और बढ़ेगा। बदला और बदलाव के बीच झूलता यह चुनाव लोकतंत्र के उस जीवंत स्वरूप का उदाहरण है, जहां अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है।4 मई का दिन केवल नतीजों की घोषणा नहीं होगा, बल्कि यह उस राजनीतिक कथा का निष्कर्ष होगा जो महीनों से लिखी जा रही है। क्या ममता बनर्जी अपनी सत्ता बचा पाएंगी या बीजेपीपहली बार बंगाल में सरकार बनाएगी,यह सवाल जितना बंगाल के लिएमहत्वपूर्ण है, उतना ही भारत और विश्व की राजनीति के लिए भी महत्व रखेगा।

संपादकीय

जिंदगी निगलती रफ्तार

देश के नीति-नियंताओं की सोच रही है कि विकास के लिए चौड़ी व रफ्तार वाली सड़कें जीवन रेखा का काम करें। हाल के वर्षों में इसी सोच के साथ राजग सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण युद्ध स्तर पर किया। देश के उत्थान के लिए विकास के बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता दी। लेकिन विकास की इस उन्नति के साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ी विसंगति भी सामने आई कि इन पर होने वाली दुर्घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। हादसों का यह सिलसिला लगातार जारी है। सवाल उठता है कि उच्च तकनीक से तैयार आकर्षक व सुविधाजनक एक्सप्रेस-वे और राष्ट्रीय राजमार्ग यात्रियों की सुरक्षा की कसौटी पर खरे क्यों नहीं उतर पा रहे हैं। यूं तो देश की कुल सड़कों में दो फीसदी ही राष्ट्रीय राजमार्ग हैं, लेकिन देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में इनकी संख्या तीस फीसदी हो गई है। जो हमारी गंभीर चिंता का सबब बन रहा है। ऐसे में आम नागरिकों की इस गहरी चिंता को महसूस करते हुए देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया है। शीर्ष अदालत ने इस संकट पर गहरी चिंता जताते हुए केंद्र व राज्य सरकार तथा इससे संबधित विभागों को सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता के आधार पर सशक्त करने के निर्देश दिए हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की मान्यता रही है अधिकारियों की उदासीनता व निर्माण से जुड़ी खामियों की वजह से राजमार्ग व एक्सप्रेस-वे दुर्घटना के कारक नहीं बनने चाहिए। इस दिशा में अविलंब कार्रवाई होनी चाहिए ताकि मार्ग खतरे का गलियारा न बने। विडंबना यह भी है कि देश में आम लोगों में ट्रैफिक से जुड़ी अनुशासन की सोच पूरी तरह से विकसित नहीं हो पायी है। खुली सड़क मिलते ही रफ्तार तेज होने लगती है, यह जानते हुए कि ये गति हमारी दुर्गति का कारण भी बन सकती है। इसके अलावा तेज स्पीड में भी फोन पर बात करते रहना और शराब पीकर वाहन चलाना भी सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ाने वाला साबित हुआ है। यह विडंबना ही है कि भारत में दुनिया के अन्य विकसित व समकक्ष विकासशील देशों के अनुपात में वाहनों की संख्या तो कम है लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में हम अव्वल हैं। यह आंकड़ा डराता है कि साल भर में होने वाली करीब साढ़े चार लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाओं में हर साल डेढ़ लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। इसके अलावा लाखों लोग घायल होते हैं।

चिंतन-मनन

आत्मबल के लिए

एक गरीब बुढ़िया थी। अपनी झोपड़ी में अकेली रहती थी। उसके पास एक गाय थी। बस उसी के सहारे वह अपना जीवन निर्वाह करती थी। पर्युषण पर्व चल रहा था। वह अपनी झोपड़ी में बैठी-बैठी रोज देखती थी कि गांव के लोग बहुत ठाट-बाट से पूजा की थाल और प्रसाद आदि लेकर लिए मंदिर जा रहे हैं। उन्हें देख कर बुढ़िया सोचती थी, मैं इतनी ठाट से पूजा नहीं कर सकती, मेरे पास पर्याप्त साधन नहीं है। पूजा की इच्छा दब जाती। एक दिन उसने सोचा, यदि पूजा नहीं कर सकती तो आरती तो कर सकती हूं। बस, यह सोच कर वह उठी, अपनी गाय के दूध से निकाला हुआ घी लिया। पड़ोसी के एक कपास के खेत में से थोड़ी-सी रूई ले आई।

एक मिट्टी के दीपक में आरती संजोकर चल दी मंदिर की ओर। अत्यंत श्रद्धा भक्ति से उसने आरती की, जिसके परिणाम स्वरूप आगामी भव में उसे अत्यंत ज्ञानी मुनिराज की पर्याय प्राप्त हुई। न कोई उपवास, न कोई व्रत, केवल पवित्र भावना, श्रद्धा और भक्ति से उसे यह प्राप्त हुआ। किसी शक्तिहीन व्रती प्राणी का उपहास मत कीजिए। संभव है, उसमें शक्ति की अल्पता हो पर भक्ति की प्रबलता हो। कोई छोटा बच्चा पवित्र भावना लेकर व्रत करना चाहता है, तो उसे रोकिए मत, करने दीजिए। उसकी भावनाओं को खंडित मत कीजिए, ठेस मत पहुंचाइए। बल्कि उसे व्रत के वास्तविक उद्देश्य को समझा कर उसके इरादे को और दृढ़ बनाइए। तप के मार्ग को सामान्य मत समझिए।

कुछ लोग कहते हैं, तप में क्या रखा है? बेकार है? व्यर्थ है। ऐसा वे लोग कहते हैं जिनमें पुरुषार्थ का अभाव है। जो स्वयं पालन नहीं कर सके, उन्हें कहना चाहिए हम तो नहीं कर पाते, पर आप कर रहे हैं, यह अच्छी बात है। आपका कल्याण हो। उसके प्रति कम से कम अपनी भावनाएं पवित्र रखनी चाहिए। तप की सबसे बड़ी पूंजी आत्मशक्ति की उत्पत्ति है। इस आत्मशक्ति के माध्यम से हमारे में विरोध में भी जीने का साहस उत्पन्न होता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

धरती के स्वर्ग तक तेज भारतीय रेल की रफ्तार

विनोद कुमार सिंह

जम्मू-तवी से श्रीनगर तक वंदे भारत ट्रेन का विस्तार...

विकास की रफ्तार जब आस्था, पर्यटन और आजीविका के साथ कदमताल करती है,तब वह केवल एक परियोजना नहीं रहती, बल्कि समाज के बहुआयामी परिवर्तन की जीवंत गाथा बन जाती है। जम्मू-तवी से श्रीनगर तक विस्तारित वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा भी ऐसे ही परिवर्तन का सशक्त प्रतीक बनकर उभरी है - जहाँ पहाड़ों की निस्तब्धता, प्रकृति की विराटता और बदलती जीवनशैली एक नई कहानी रचती प्रतीत होती है।आज जब रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस सेवा को हरी झंडी दिखाई, तो उनके संक्षिप्त लेकिन सारगर्भित उद्बोधन में एक स्पष्ट संदेश था–'यह केवल एक ट्रेन नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में बढ़ता हुआ विश्वास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल का लक्ष्य है कि देश के सबसे दुर्गम क्षेत्रों तक भी आधुनिक कनेक्टिविटी पहुंचे,ताकि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।' उन्होंने यह भी कहा कि यह सेवा आने वाले समय में क्षेत्र के युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करेगी।

दरअसल,यह विस्तार उस स्वप्न का परिपक्व रूप है,जिसकी शुरूआत जून 2025 में कटरा-श्रीनगर वंदे भारत सेवा से हुई थी।अब यह सेवा जम्मू-तवी तक पहुँचकर न केवल दूरी को कम कर रही है,बल्कि लोगों के मनों के बीच की दूरी को भी पाट रही है।कश्मीर की वादियों में जब यह आधुनिक ट्रेन सरपट दौड़ती है, तो उसके साथ-साथ प्रकृति का एक अद्भुत संसार भी खुलता चलता है। ऊँचे-ऊँचे देवदारों से आच्छादित पहाड़, बादलों से संवाद करती घाटियाँ,और दूर तक फैली हरियाली–यह सब मिलकर एक ऐसी अनुभूति का निर्माण करते हैं, जहाँ विकास और प्रकृति के बीच एक संतुलित संवाद दिखाई देता है। यहाँ की सुबहें जब धूप की सुनहरी चादर ओढ़ती हैं और शामें जब ठंडी हवा के साथ सुकून का एहसास कराती हैं, तब यह यात्रा केवल भौगोलिक नहीं,बल्कि भावनात्मक भी बन जाती है।चिनाब रेल पुल और अंजी खड़ पुल जैसे इंजीनियरिंग के चमत्कार इस प्राकृतिक सौंदर्य के बीच आधुनिक भारत की तकनीकी क्षमता का परिचय देते हैं।इन संरचनाओं के बीच से गुजरती वंदे भारत एक्सप्रेस मानो यह संदेश देती है कि विकास और प्रकृति एक-दूसरे के विरोधी नहीं,बल्कि पूरक हो सकते हैं।

इस पूरी यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ वर्षों में शांति और व्यवस्था का जो नया वातावरण बना है,उसी ने ऐसे बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को संभव बनाया है।कभी जो क्षेत्र अस्थिरता और अनिश्चितताओं के कारण विकास से वंचित रह जाता था,वही आज प्रगति की मुख्यधारा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।यह परिवर्तन केवल आंकड़ों में नहीं,बल्कि लोगों के जीवन में स्पष्ट रूप से महसूस किया जा सकता है–बाजारों की रौनक,पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही और युवाओं के चेहरों पर उभरती नई उम्मीदों में।

आर्थिक दृष्टि से यह रेल सेवा रोजगार के नए अवसरों का एक विस्तृत क्षितिज खोल रही है। पर्यटन के विस्तार के साथ होटल, परिवहन,हस्तशिल्प और स्थानीय व्यवसायों मेंअभूतपूर्व वृद्धि की संभावना है।कश्मीर के सेब, केसर और पश्मीना जैसे उत्पाद अब अधिक तेजी और सुविधा के साथ देश के विभिन्न बाजारों तक पहुँच सकेंगे,जिससे स्थानीय कारीगरों और किसानों की आय में वृद्धि होगी।युवा वर्ग,जो कभी सीमित अवसरों के कारण पलायन के लिए विवश होता था,अब अपने ही क्षेत्र में रोजगार और उद्यमिता के नए आयाम तलाश सकेगा।आस्था के स्तर पर भी यह सेवा एक नई ऊर्जा लेकर आई है।श्री माता वैष्णो देवी मंदिर और अमरनाथ यात्रा से जुड़े लाखों श्रद्धालुओं के लिए यह यात्रा अब पहले से कहीं अधिक सहज और सुलभ हो गई है। आस्था की इस यात्रा में अब कठिनाइयों की जगह सुविधा और संतोष ने ले ली है।इस परियोजना की आधारशिला उधमपुर-श्रीनगर- बारामूला रेल लिंक है,जो भारत की इंजीनियरिंग क्षमता और दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रतीक है।हिमालय की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में तैयार यह रेल मार्ग केवल पटरियों का जाल नहीं, बल्कि एक ऐसे भारत की कहानी है जो हर चुनौती को अवसर में बदलना जानता है अंततः,जम्मू-तवी से श्रीनगर तक वंदे भारत एक्सप्रेस का यह विस्तार एक व्यापक परिवर्तन का संकेत है।यह केवल यात्रा को सरल बनाने का माध्यम नहीं,बल्कि एक ऐसे नए युग की शुरूआत है,जहाँ शांति, विकास और समृद्धि एक साथ आगे बढ़ रहे हैं।पहाड़ों की गोद में बसे इस 'धरती के स्वर्ग' में अब न केवल प्रकृति की सुंदरता है,बल्कि आधुनिक भारत की प्रगति की चमक भी है-जहाँ हर सुबह नई संभावनाओं का संदेश देती है और हर यात्रा एक नई उम्मीद का आरंभ बनती है।

अंतरजातीय संबंधों पर सामाजिक हिंसा का संकट और बदलते समाज की चुनौती

कांतिलाल मांडोत

राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के टामटिया गांव में घटी हालिया घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं है बल्कि यह हमारे समाज के भीतर गहराई तक जमी उन मानसिकताओं को उजागर करती है जो आज भी जाति और परंपरा के नाम पर इंसानियत को पीछे छोड़ देती हैं। एक प्रेम प्रसंग से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसा में बदल गया, जिसमें एक युवक की हत्या कर दी गई और उसके बाद गुस्से और बदले की भावना में गांव के कई घरों को आग के हवाले कर दिया गया। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है, पुलिस बल तैनात है, और ग्रामीणों में भय और आक्रोश दोनों दिखाई दे रहे हैं। यह स्थिति हमें सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर 21वीं सदी में भी समाज इस तरह की त्रासदियों से क्यों जूझ रहा है।

इस घटना की जड़ में एक अंतरजातीय प्रेम संबंध बताया जा रहा है। युवक और युवती के बीच संबंध को लेकर पहले भी विवाद हुआ था और मामला पुलिस तक पहुंचा था, लेकिन समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से स्थिति बिगड़ती चली गई। जब परिवार और समाज प्रेम संबंध को स्वीकार नहीं कर पाते, तब ऐसे रिश्ते अक्सर टकराव का कारण बनते हैं। इस मामले में भी युवती के भाई ने संबंध का विरोध किया, जिससे तनाव बढ़ा और अंततः यह हिंसक रूप ले बैठा। आरोप है कि युवक की हत्या बेहद क्रूर तरीके से की गई, जिसने पूरे गांव को झकझोर दिया।

हत्या के बाद जो हुआ वह और भी चिंताजनक है। गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर हमला कर दिया, घरों में आग लगा दी, और देखते ही देखते कई परिवार बेघर हो गए। बताया जा रहा है कि 30 से अधिक घर जलकर राख हो गए। यह केवल संपत्ति का नुकसान नहीं है, बल्कि उन परिवारों की जिंदगी पर गहरा आघात है, जिन्होंने एक ही रात में अपना सब कुछ खो दिया। आगजनी के बाद भी लंबे समय तक घरों से धुआं उठता रहा, जो इस त्रासदी की भयावहता का प्रतीक है।

घटना के बाद पुलिस और प्रशासन की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों का आरोप है कि पहले से मिल रही धमकियों के बावजूद पुलिस ने समय रहते कार्रवाई नहीं की, जिसके कारण यह घटना हुई। यही कारण है कि अब लोग आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ-साथ पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जब आम नागरिकों को यह महसूस होता है कि उनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा, तो उनके भीतर व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है, जो आगे चलकर सामाजिक अशांति को जन्म देता है।

यह घटना केवल एक गांव या एक राज्य तक सीमित नहीं है। देश के कई हिस्सों में आज भी अंतरजातीय विवाह या प्रेम संबंधों को लेकर इसी तरह की हिंसा देखने को मिलती है। समाज का एक बड़ा वर्ग अब भी जातिगत सीमाओं को तोड़ने के लिए तैयार नहीं है। खासकर जब बात बेटियों की आती है, तो परिवारों में नियंत्रण और कठोरता और भी बढ़ जाती है। यह एक गहरी विडंबना है कि जहां एक ओर समाज बहुओं को किसी भी जाति से स्वीकार कर लेता है, वहीं बेटियों के लिए वही स्वतंत्रता नहीं दी जाती। यह दोहरा मापदंड न केवल असमानता को बढ़ावा देता है बल्कि सामाजिक तनाव का कारण भी बनता है।

समाज में लड़कियों की कमी भी एक गंभीर समस्या बन चुकी है। कई क्षेत्रों में आज भी लिंगानुपात असंतुलित है, जिसके कारण हजारों युवक शादी से वंचित रह जाते हैं। इसके बावजूद अगर समाज अंतरजातीय विवाह को स्वीकार नहीं करता, तो यह समस्या और जटिल होती जाती है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि हम अपनी सोच को बदलें और रिश्तों को जाति के बजाय मानवीय आधार पर स्वीकार करें।

इस तरह की घटनाएं यह भी दिखाती हैं कि परंपरा और आधुनिकता के बीच संघर्ष अब भी जारी है। एक ओर नई पीढ़ी अपने फैसले खुद लेना चाहती है, अपने जीवनसाथी का चुनाव करना चाहती है, वहीं दूसरी ओर पुरानी सोच अब भी इन बदलावों को स्वीकार करने में हिचक रही है। यह टकराव जब संवाद के बजाय हिंसा में बदल जाता है, तब इसके परिणाम बेहद खतरनाक होते हैं।

इस समस्या का समाधान केवल कानून के जरिए संभव नहीं है। इसके लिए समाज में व्यापक स्तर पर जागरूकता और संवाद की जरूरत है। परिवारों को यह समझना होगा कि बच्चों की खुशियां और उनका अधिकार सर्वोपरि हैं। शिक्षा का भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है, क्योंकि शिक्षित समाज में इस तरह की कट्टरता अपेक्षाकृत कम देखने को मिलती है। साथ ही प्रशासन को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और ऐसे मामलों में समय रहते प्रभावी कार्रवाई करनी होगी ताकि स्थिति बिगड़ने से पहले ही संभाली जा सके।

टामटिया गांव की यह घटना एक चेतावनी है कि अगर हमने अब भी अपनी सोच नहीं बदली, तो ऐसे हादसे बार-बार होते रहेंगे। हमें यह स्वीकार करना होगा कि समाज बदल रहा है और इस बदलाव को रोकना संभव नहीं है। बेहतर यही होगा कि हम इसे समझदारी से स्वीकार करें और एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहां प्रेम, समानता और सम्मान को प्राथमिकता दी जाए, न कि जाति और रूढ़ियों को।

अंततः यह सवाल हम सभी के सामने है कि हम किस तरह का समाज बनाना चाहते हैं। क्या हम वही पुरानी परंपराओं में जकड़े रहेंगे जो हिंसा और विभाजन को जन्म देती हैं, या फिर हम एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ेंगे जहां हर व्यक्ति को अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीने की आजादी हो। इस सवाल का जवाब ही तय करेगा कि आने वाले समय में इस तरह की घटनाएं कम होंगी या फिर और बढ़ेंगी।

बछरायूं में कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध कब्जे का मामला

नायब तहसीलदार ने किया निरीक्षण, उच्च अधिकारियों को सौंपेंगे में विस्तृत रिपोर्ट

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा के बछरायूं में कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। इस मामले में मोहल्ला शेखजादगान के निवासियों की शिकायत पर नायब तहसीलदार योगेश कुमार लोधी ने गुरुवार को राजस्व टीम के साथ कब्रिस्तान का निरीक्षण किया।

बता दें कि कस्बेवासियों ने संपूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र देकर गाटा संख्या 412, 414 और 415 पर भू-माफियाओं द्वारा अतिक्रमण की शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप है कि सरकारी अभिलेखों में कब्रिस्तान के रूप में दर्ज इस भूमि पर कुछ प्रभावशाली लोग अवैध निर्माण कर रहे हैं। कब्रिस्तान की भूमि पर बजरी, ईंटें, कूड़ा और लकड़ियां डालकर कब्जा करने के कोशिश की जा रही है।गुरुवार को नायब तहसीलदार योगेश कुमार लोधी ने राजस्व विभाग की टीम के साथ कब्रिस्तान की भूमि का निरीक्षण किया,बताया कि मामले की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को सौंपी जाएगी ।प्रार्थना पत्र में मोहल्लेवासियों ने नगर पालिका परिषद बछरायूं की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व में आयुक्त मुरादाबाद और नगर पालिका प्रशासन से शिकायत के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उनका कहना है कि स्थानीय प्रशासन की कथित मिलीभगत के कारण ही अवैध कब्जा धारकों के हौसले बुलंद हैं, जिससे कब्रिस्तान की संपत्ति को क्षति पहुँच रही है।शिकायतकर्ता अनीश, शफीक और अन्य मोहल्लेवासियों का कहना है कि कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश शासन के सख्त निर्देशों के अनुपालन में पुलिस बल की मौजूदगी में इस अवैध अतिक्रमण को तुरंत ध्वस्त करने की मांग की है। कस्बेवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही कब्रिस्तान को कब्जा मुक्त नहीं कराया गया, तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

खेत पर गये युवक पर तेंदुए ने किया हमला,अस्पताल में भर्ती

तेंदुए के हमले से ग्रामीणों में दहशत,वन विभाग से पिंजरा लगाने की मांग

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा क्षेत्र के जंगलों में खेत पर गए एक युवक पर तेंदुए ने हमला कर दिया। जिसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया ,घायल युवक को प्राथमिक उपचार देने के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है वहीं इस घटना से क्षेत्र के लोगों में दहशत बनी हुई है और वन विभाग से पिंजरा लगाने की मांग कर रहे हैं।

बता दें कि थाना मंडी धनौरा क्षेत्र के ग्राम नाववाला मुकारमपुर निवासी 24 वर्षीय अमित कुमार पुत्र ओमपाल सिंह शनिवार सुबह अपने खेत पर काम कर रहे थे। सुबह करीब 10 बजे, जब वह गन्ने के खेत के पास थे, तभी अचानक एक तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। अमित की चीख-पुकार सुनकर पास के खेतों में काम कर रहे प्रशांत कुमार, राम सरन, मोमराज सिंह और अन्य ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की भीड़ और शोर सुनकर तेंदुआ गन्ने के खेत में छिप गया।घायल अमित को तुरंत धनौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) ले जाया गया। चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में पिछले कई दिनों से तेंदुए की आवाजाही देखी जा रही थी और इसके वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। उनका आरोप है कि वन विभाग ने समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया। ग्रामीण हरीशचंद्र, वीर सिंह, सुखवंत, अरुण, पप्पू और मनोज ने वन विभाग से क्षेत्र में तत्काल पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़ने की मांग की है।घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग के डिप्टी रेंजर मनोज चौधरी अस्पताल पहुंचे और घायल युवक का हालचाल पूछा। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि विभाग इस मामले को गंभीरता से देख रहा है।डिप्टी रेंजर मनोज चौधरी ने बताया, "तेंदुए को पकड़ने के लिए प्रभावित क्षेत्र में पिंजरा लगाया जा रहा है। हमारी टीम लगातार तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रख रही है। किसान भाई खेतों पर जाते समय समूह में जाएं और सावधानी बरतें।"तेंदुए के इस हमले के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और ग्रामीण खेतों पर जाने से हिचकिचा रहे हैं।

बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर तिगरी व बृजघाट स्नान घाट पर हजारों श्रद्धालुओं लगाई आस्था की डुबकी,हर-हर गंगे के गूंजे जयकारे

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर ब्रजघाट एवं तिगरी गंगा धाम में हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई ।इस दौरान तिगरी गंगा धाम व ब्रजघाट स्नान घाट हर हर गंगे व हर हर महादेव के जयकारों से गूंज उठे। गंगा स्नान के लिए शुक्रवार तड़के से ही श्रद्धालुओं का आवागमन शुरू हो गया था।

बता दें कि बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार को नेशनल हाईवे किनारे स्थित ब्रजघाट गंगा धाम और तिगरी गंगा धाम में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। हजारों की संख्या में भक्तों ने मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान गंगा घाट 'हर हर गंगे' और 'हर हर महादेव' के जयकारों से गूंज उठे। गंगा स्नान के लिए शुक्रवार सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। ब्रह्म मुहूर्त में भक्तों ने गंगा मैया के जयकारों के साथ स्नान किया। सूर्योदय के बाद सूर्यदेव को अर्घ्य देकर उपासना की गई। स्नान के उपरांत श्रद्धालुओं ने हवन-यज्ञ कराए और पुरोहितों को अन्न, वस्त्र तथा धन का दान कर पुण्य लाभ कमाया।तिगरी गंगा धाम में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंचे। सुबह दस बजे तक भक्तों के आने का सिलसिला जारी रहा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए थे। गंगा घाटों पर पुलिस बल तैनात रहा, वहीं महिलाओं की सुरक्षा के लिए सादे कपड़ों में महिला पुलिसकर्मी भी मौजूद रहीं।

ब्रजघाट में दिल्ली, हरियाणा समेत आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए आए थे। वहीं, तिगरी गंगा धाम में गजरौला शहर और आसपास के गांवों के ग्रामीण उमड़े। पुलिस ने पूरे समय सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी।

रजबपुर में शादी समारोह के दौरान दो पक्षों में मारपीट,पुराने रंजिश को लेकर हुआ विवाद

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र स्थित एक रिसॉर्ट में शादी समारोह के दौरान पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। यह घटना गुरुवार रात को हुई, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है ।दोनों पक्षों के बीच पहले से ही

कहासुनी चल रही थी। शादी समारोह में आमना-सामना होने पर विवाद बढ़ गया और देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। यह घटना रिसॉर्ट की पार्किंग में हुई, जहां दोनों पक्षों के बीच लात-घूंसे चले ।मारपीट के दौरान एक युवक के सिर पर ईंट लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर हुआ कार्यक्रम का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर एक गरिमामयी कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सीएल गुप्ता एक्सपोर्ट लि0 करनपुर मिलक रोड, अमरोहा परिसर में आयोजित हुआ। जिसमें लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री, उ०प्र० सरकार की उपस्थित में आयोजित श्रमवीर गौरव समारोह, 2026 का शुभारंभ एवं संबोधन प्रसारित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी अमरोहा डॉ0 नितिन गौड़, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही श्रम प्रवर्तन अधिकारी

भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। लाइव प्रसारण के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस की बधाई देते हुए उ०प्र० भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत श्रमिकों के हित में संचालित योजनाओं, विशेष रूप से श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा हेतु संचालित अटल आवासीय विद्यालयों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ द्वारा उपस्थित श्रमिकों को संबोधित करते हुए उनके परिश्रम एवं योगदान की सराहना की गई तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने हेतु प्रेरित किया गया एवं श्रमिकों का उत्साहवर्धन किया गया। तत्पश्चात श्रम प्रवर्तन अधिकारी द्वारा भी श्रमिकों को संबोधित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस की हार्दिक बधाई दी गई तथा उन्हें विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान निर्माण श्रमिकों के कल्याण हेतु 10 निर्माण श्रमिकों को हितलाभ स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। अधिकारियों द्वारा श्रमिकों के हितों की सुरक्षा एवं कल्याण हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई। सफलतापूर्वक एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ, जिसमें श्रमिकों एवं उपस्थित जनसमूह का उत्साहवर्धक सहयोग प्राप्त हुआ।

कमाल पैलेस में गौतम बुद्ध जयंती के अवसर पर किया गया विचार गोष्ठी का आयोजन

गौतम बुद्ध ने दिखाया सत्य और अहिंसा का मार्ग, हसनपुर में बुद्ध जयंती पर विचार गोष्ठी का भव्य आयोजन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- भगवान बुद्ध की शिक्षाएं आज के युग में भी उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी सदियों पहले थीं। सत्य, अहिंसा और करुणा के मार्ग पर चलकर ही समाज में वास्तविक परिवर्तन और प्रगति संभव है। इसी संदेश के साथ शुक्रवार को नगर के कमाल पैलेस में गौतम बुद्ध जयंती के अवसर पर एक भव्य विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हसनपुर नगर पालिका परिषद के चेयरमैन राजपाल सैनी ने की एवं कुशल संचालन अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ, हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह द्वारा किया गया। गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य महात्मा बुद्ध के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाना और समाज के प्रबुद्ध वर्गों के बीच उनके दर्शन पर चर्चा करना था। इस अवसर पर केवल वैचारिक चर्चा ही नहीं हुई, बल्कि समाज के प्रति समर्पण भाव को भी सराहा गया। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक उत्थान और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विभिन्न व्यक्तियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षित समाज ही बुद्ध के 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' के संकल्प को पूरा कर सकता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने कहा कि गौतम बुद्ध ने पूरी दुनिया को शांति और प्रेम का मार्ग दिखाया। हमें उनके बताए गए सिद्धांतों को मात्र सुनने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारना चाहिए। समाज की तरक्की तभी संभव है जब हम आपसी मतभेदों को भुलाकर अहिंसा के मार्ग पर चलें। मुख्य वक्ता के रूप में महिपाल सिंह,विपिन सागर एवं चंद्रपाल सैनी ने संयुक्त रूप से कहा कि भगवान बुद्ध के दर्शन पर प्रकाश डाला। उन्होंने 'अप्प दीपो भव' (अपना दीपक स्वयं बनो) के सूत्र को आत्मसात करने पर जोर दिया।

इसके डॉ. नरेश कुमार, चन्द्रपाल खड़गवंशी, इक़्तेदार उल्ला खां, मुदित गुर्जर,आरिफ गाजी ने भी अपने संबोधन में सामाजिक एकता और समरसता की बात कही। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक रामवीर सिंह, विनोद कुमार गौतम, दिनेश गौतम,अध्यक्ष अरविंद अन्ना (पूर्व सभासद), महामंत्री अंकुर सेठी, कोषाध्यक्ष करणवीर सिंह , वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश कुमार, सुरेन्द्र गौतम एडवोकेट, रोबिन त्यागी, अंकुर अग्रवाल,बदन सिंह गौतम, शिखर अग्रवाल, रूपेश वर्धन,लवी सागर, मुकेश जाटव,विजय सिंह गौतम, नवाब सैफी,आरिफ गाजी,रोहतास सिंह, हरीश कुमार, हरकेश सिंह,जंगबहादुर, सोमदत्त शर्मा,विनेश कुमार,जबर सिंह, रूपराम सिंह, दिनेश जाटव,अजीत सिंह,लता सागर प्रधान पीठ खे ड़ ा, र ज नी (पूर्व प्रधान),राजकुमारी,पूजा चौधरी,प्रीति सैनी और प्रियंका ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ नागरिक मुखराम सिंह ने की एवं संचालन अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने किया।

भीषण गर्मी को देखते हुए उपस्थित सभी आगंतुकों के लिए ठंडे शरबत की व्यवस्था की गई। साथ ही प्रसाद के रूप में कढ़ी-चावल का वितरण किया गया।

बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर सामाजिक कार्यकताओं ने की सराहनीय पहल

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के कस्बा जोया में बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर जोया के सामाजिक कार्यकताओं ने एक सराहनीय पहल की। उन्होंने राहगीरों और जरूरतमंद लोगों को शर्बत तथा प्रसाद का वितरण किया। इस सामाजिक सेवा कार्य में स्थानीय नागरिकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया ।समाजसेवी महेश कुमार गौतम ने बताया कि बुद्ध पूर्णिमा के दिन हर वर्ष इसी तरह शिविर लगाकर राहगीरों को शर्बत और प्रसाद वितरित किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है, जिसका उद्देश्य समाज में सेवा भावना को बढ़ावा देना है। महेश कुमार गौतम ने आगे बताया कि भगवान बुद्ध ने इस देश के नागरिकों को पाखंड और अंधविश्वास से बचने के लिए एक मूल मंत्र दिया था। आपो दीपो भवः अर्थात अपना दीपक स्वयं बनो। उन्होंने कहा कि बुद्ध की इस शिक्षा से प्रेरित होकर हमें खुद पर भरोसा रखते हुए दूसरों की मदद करनी चाहिए। इस अवसर पर कार्यकताओं ने बुद्ध की शिक्षाओं पर चर्चा भी की और लोगों को शांति, करुणा तथा आत्मनिर्भरता का संदेश दिया। स्थानीय लोगों ने इस सेवा कार्य की सराहना की और इसे बुद्ध पूर्णिमा की सच्ची श्रद्धांजलि बताया। यह पहल न केवल राहगीरों को राहत प्रदान करती है, बल्कि समाज में सद्भाव और सेवा की भावना को भी मजबूत करती है।

आपको बता दे कि कार्यक्रम का आयोजन जोया के समाजसेवियों ने किया। जिसकी अध्यक्षता मास्टर हर स्वरूप सिंह ने की उपाध्यक्ष पूर्व जिला अध्यक्ष बसपा महेश गौतम व नत्थू सिंह मास्टर हरिराम मास्टर स्योराज सिंह संरक्षक जितेंद्र सिंह सदस्य जिला पंचायत अमरोहा संचालन मास्टर हीरा सिंह व नरेंद्र सिंह ने किया कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी मास्टर अजीत सिंह ने निभाई। इस मौके पर विभिन्न समाजसेवी उपस्थित रहे। मोती स्मृति के चेयरमेन राजकुमार अरुण नगर पंचायत जोया के पूर्व चेयरमेन जाहिद हुसैन पूर्व एमएलसी परवेज अली प्रोफेसर मनन कौशल विजय पांडे प्रधानाचार्य धर्म सिंह प्रधानाचार्य विनोद कुमार मास्टर वरन सिंह सुरेंद्र कुमार व्यास मास्टर विजेंद्र सिंह मास्टर हरी राज सिंह मास्टर संजीव कुमार मास्टर जयवीर सिंह मास्टर महेश कुमार मास्टर रामपाल प्रदीप कुमार एडवोकेट डॉक्टर गौतम मास्टर जयवीर सिंह राजेंद्र सिंह प्रधान सुरेंद्र सिंह प्रधान जयपाल सिंह प्रधान सुधीर प्रधान जी पूर्व प्रधान महकर सिंह पूर्व प्रधान राजेश कुमार पूर्व प्रधान कपिल चौधरी बी बी एफ जिला संयोजक विजेंद्र सिंह समाजसेवी चमन सिंह समाजसेवी अनिल कुमार समाजसेवी दीपू समाजसेवी कमल वीर अन्य तमाम समाजसेवी मौजूद रहे।

सामाजिक समरसता महारैली को सफल बनाने के लिए जनता के बीच जाएं कार्यकर्ता, डॉ दयाराम भार्गव

अमरोहा (सब का सपना):- सुभासपा के राष्ट्रीय सचिव डॉ दयाराम भार्गव ने जोया स्थित कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के प्रतिनिधि राजेन्द्र सिंह बग्गा के आवास पर कार्यकताओं की बैठक आयोजित कर आगामी दो जून को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में होने वाली सामाजिक समरसता महारैली को सफल बनाने के लिए दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान राष्ट्रीय सचिव डॉ दयाराम भार्गव ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर लगातार वंचित, पिछड़े व दबे-कुचले वर्गों की आवाज को सड़क से लेकर सदन तक मजबूती से उठाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए का सहयोगी होने के नाते पार्टी अपनी मांगों को प्रभावी ढंग से सरकार तक पहुंचा रही है और उन्हें पूरा भी

कराया जा रहा है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव जाकर पार्टी की नीतियों का प्रचार करें और अधिक से अधिक लोगों को रैली में शामिल होने के लिए प्रेरित करें।

जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि जिले के प्रत्येक बूथ स्तर तक कार्यकताओं को सक्रिय किया जा रहा है और रैली में अधिक से अधिक भीड़ जुटाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। मंत्री प्रतिनिधि राजेन्द्र बग्गा ने कहा कि सामाजिक समरसता महारैली समाज के सभी वर्गों को एक मंच पर लाने का प्रयास है और इसके लिए कार्यकताओं को पूरी ताकत के साथ जुटना होगा। पूर्व प्रभारी पश्चिमी उत्तर प्रदेश बलराज प्रजापति ने कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की असली ताकत है और सभी कार्यकताओं को एकजुट होकर रैली को ऐतिहासिक बनाना चाहिए। इसके पश्चात आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान राष्ट्रीय डॉ दयाराम भार्गव ने कहा कि ओम प्रकाश राजभर की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है यही कारण है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पार्टी का जनाधार तेजी से बढ़ रहा है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य योगी आदित्यनाथ को तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाना है। साथ ही उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में एनडीए द्वारा दी जाने वाली सभी सीटों पर सुभासपा पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी। बैठक में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर, जसवीर सिंह चौहान विनीत चौहान, मनोज सिंह जिलाध्यक्ष /मंत्री प्रतिनिधि गाजियाबाद,जुबैर अहमद पवन कुमार समर पाल सिंह, आदि मौजूद रहे।

कृषक विजय पाल सिंह द्वारा 60 क्विंटल भूसा गौ आश्रय स्थल मऊमय चक में दिया दान

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में संचालित गौ आश्रय स्थलों में संरक्षित गौ के भरण पोषण हेतु भूसा संग्रहण अभियान में जहां एक ओर अमरोहा वासियों द्वारा बढ़ चढ़ कर सहयोग किया जा रहा है। वहीं जनपद के अधिकारी भी पीछे नहीं हैं। अमरोहा के प्रतिष्ठित कृषक विजय पाल सिंह द्वारा 60 क्विंटल भूसा गौ आश्रय स्थल मऊमय चक में दान किया गया। अस्थायी गौशाला काला खेड़ा में शराब अनुज्ञापी कुलदीप देवोल द्वारा 22 कुंतल भूसा का दान किया गया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ आभा और उनके पुत्री दामाद स्वास्तिका और हर्ष द्वारा 20 क्विंटल और जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा 15 क्विंटल संयुक्त रूप से35 क्विंटल भूसा दान किया गया तथा मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आभा दत्त द्वारा अपने परिवार के साथ फरीदपुर इम्मा में गौ वंश को हरा चारा भी खिलाया। जिला आबकारी अधिकारी जितेंद्र पांडे द्वारा गौ आश्रय स्थल काला खेड़ा में 22 क्विंटल, जिला कार्यक्रम अधिकारी तिवारी द्वारा 15 क्विंटल, जिला उद्योग कार्यालय के श्री दीप नारायण जी द्वारा 30 क्विंटल, नीतू सिंह मत्स्य विभाग द्वारा 8 क्विंटल भूसा आज दान किया गया इसी प्रकार बहुत सम्वेदनशील लोग आगे आ रहे हैं परंतु अभी भी जनपद वासियों के सहयोग की बहुत आवश्यकता है जिला प्रशासन तथा उश्ड द्वारा आव्हान किया गया है कि इस पुनीत कार्य में और अधिक लोग सहयोग करे।

नशे के खिलाफ अभियान शुरू, मेडिकल स्टोरों पर लगेंगे जागरूकता पोस्टर

संभल (सब का सपना):- जनपद में नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए केमिस्ट एसोसिएशन ने शुक्रवार को अहम निर्णय लिया। बैठक में सर्वसम्मति से एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान चलाने का प्रस्ताव पारित किया गया, जिसके तहत जिले भर के मेडिकल स्टोरों पर नशा विरोधी पोस्टर लगाए जाएंगे। शर्मा मेडिकोज पर आयोजित बैठक में केमिस्ट एसोसिएशन के कार्य अध्यक्ष राहिल भारतीय ने कहा कि शासन-प्रशासन की मंशा के अनुरूप यह अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक केमिस्ट बंधुओं के साथ बैठक कर उन्हें नशे के खिलाफ जागरूक किया जाएगा और प्रशासनिक दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराया जाएगा।

बैठक में यह भी तय किया गया कि किसी भी मेडिकल स्टोर पर नशीली दवाओं की अवैध बिक्री नहीं होगी। शिड्यूल , ल और ल1 श्रेणी की दवाइयां केवल डॉक्टर की वैध पर्ची पर ही दी जाएंगी। साथ ही केमिस्ट बंधुओं को शपथ दिलाने का अभियान भी शुरू किया जाएगा।

इस दौरान एसोसिएशन के सुबोध पाल, शाहनवाज आलम, नसीम, अतुल त्यागी, प्रिय रत्न आर्य, अनिल कुमार अग्रवाल, हेमंत वार्ष्णेय, अजय कुमार शर्मा, अभिजीत पॉल और श्यामशरण शर्मा सहित अन्य सदस्यों ने शहर के विभिन्न मेडिकल स्टोरों पर पहुंचकर मानस नेशनल नारकोटिक्स हेल्पलाइन 1933 अंकित पोस्टर लगाए।

केमिस्ट एसोसिएशन ने सभी दवा विक्रेताओं से अपील की है कि वे नशे के खिलाफ इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और प्रशासन की गाइडलाइन का पूरी तरह पालन करें।

लोन माफी के नाम पर करोड़ों की साइबर ठगी का खुलासा 11आरोपी पहले जा चुके हैं जेल

संगठित गैंग का एक और सदस्य गिरफ्तार, अब तक 21 आरोपी चिन्हित

संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में जनपद में चलाए जा रहे साइबर अपराध नियंत्रण अभियान के तहत बड़ी सफलता हाथ लगी है। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत एवं क्षेत्राधिकारी संभल,असमोली कुलदीप सिंह के पर्यवेक्षण में गुरुवार को साइबर क्राइम टीम ने लोन माफ कराने के नाम पर ठगी करने वाले संगठित गिरोह के एक और सदस्य को गिरफ्तार किया है।

क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम कुलदीप सिंह के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार त्यागी व उनकी टीम ने कार्रवाई करते हुए अभियुक्त वंश साहनी पुत्र नवीन साहनी को गिरफ्तार किया। यह गिरोह गरीब एवं निम्न वर्ग के लोगों को लोन दिलाने और उसे माफ कराने का लालच देकर उनके बैंक खातों, पासबुक, एटीएम कार्ड व चेकबुक अपने कब्जे में ले लेता था। इसके बाद खातों से जुड़े मोबाइल नंबर बदलवाकर फर्जी सिम के माध्यम से करोड़ों रुपये का अवैध लेन-देन किया जाता था।

मामले की शुरूआत चन्दौसी निवासी दीनदयाल एवं उनकी पत्नी सहित अन्य पीड़ितों की शिकायत से हुई, जिनसे 10-10 हजार रुपये का लोन दिलाकर ठगी की गई। इसी तरह सरस्वती पत्नी रमेश राणा ने भी तहरीर देकर अपने साथ हुई धोखाधड़ी की जानकारी दी थी। दोनों मामलों में साइबर क्राइम थाना संभल पर मुकदमे दर्ज किए गए।

विवेचना के दौरान सामने आया कि यह गिरोह अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म संचालित कर रहा था, जिसकी फ्रेंचाइजी देश के विभिन्न हिस्सों में फैली थी। दिल्ली के शालीमार बाग में भी एक फ्रेंचाइजी संचालित हो रही थी, जिसे जय कक्कड़ और आदित्य गुप्ता चला रहे थे, जबकि इंगित कोहली मैनेजर के रूप में कार्यरत था।

अब तक इस प्रकरण में 21 अभियुक्तों के नाम सामने आ चुके हैं, जिनमें से 11 को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। गुरुवार को एक और आरोपी की गिरफ्तारी के बाद शेष 9 अभियुक्तों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी प्रकार के लोन माफी या आसान ऋण के झांसे में आकर अपने बैंक दस्तावेज किसी अज्ञात व्यक्ति को न सौंपें और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

धूमधाम से कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय गीता ज्ञान यज्ञ शुरू

संभल (सब का सपना):- बुद्ध पूर्णिमा के पावन पर्व पर तीर्थ नगरी संभल पूरी तरह भक्ति के रंग में डूबी नजर आई। नगर में कलश यात्रा निकाली गई जिसका स्थानीय निवासियों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। हयात नगर स्थित चामुंडा मंदिर के समीप सात दिवसीय गीता ज्ञान यज्ञ का विधि-विधान से शुभारंभ हुआ।

यह आध्यात्मिक आयोजन 1 तारीख से 7 तारीख तक चलेगा। आयोजकों के अनुसार समय प्रतिदिन सायंकाल में रहेगा। कथा के पश्चात प्रतिदिन सामूहिक आरती का आयोजन किया जाएगा। कथा व्यास स्वामी कृष्णानंद झा ने पहले दिन गीता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे ज्ञान कर्म और भक्ति का अनूठा संगम बताया। उन्होंने कहा कि कल्कि नगरी में गीता ज्ञान यज्ञ का यह आयोजन अद्वितीय और प्रेरणादायी है। स्वामी जी ने महाभारत के प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि जब अर्जुन अपनों के मोह में फंसकर कर्तव्य से विमुख हो गए थे, तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें निष्काम कर्म का मार्ग दिखाया। उन्होंने श्लोक कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन के माध्यम से समझाया कि मनुष्य को फल की चिंता किए बिना अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। कार्यक्रम के पहले दिन महिला शक्ति संगठन की अध्यक्ष दीपा वाष्णेय के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाओं ने प्रतिभाग किया। कथा के विश्राम पर सभी महिलाओं ने मिलकर आरती उतारी। इस अवसर पर उर्मिला, कुमकुम, यशोदा, रेखा, गायत्री, संतोष, शिल्पी, रिचा, निशि, दीपा, खुशबू, राधा, मोना, नीतू, सरोज, नंदनी, अलपी, शालू, नेहा और रीना सहित संगठन की तमाम कार्यकर्ता व स्थानीय महिलाएं मौजूद रहीं।

साक्षी सेवा समिति ने श्रमिक दिवस पर किया मजदूरों का सम्मान

चंदौसी /संभल (सब का सपना):- अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को साक्षी सेवा समिति और साक्षी चंदौसी एडवोकेट यूनिटी परिवार द्वारा श्रमिकों के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान समिति के पदाधिकारियों ने राष्ट्र निर्माण में श्रमिकों के अतुलनीय योगदान को रेखांकित किया।

श्रमिकों का सम्मान और उपहार वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट रंजना शर्मा और सचिव एडवोकेट दीपक राठौर ने श्रमिकों को पटका पहनाकर और उपहार भेंट कर सम्मानित किया। इस भावुक क्षण में अधिवक्ताओं ने श्रमिकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। शारीरिक और मानसिक श्रम के बिना किसी भी देश नगर या गांव की उन्नति संभव नहीं है। विकास का पहिया तभी घूमता है जब श्रमिक अपना पसीना बहाता है। किसी भी राष्ट्र के लिए श्रमिक का कार्य अमूल्य है और हमें उनका सदैव सम्मान करना चाहिए।कार्यक्रम की अध्यक्षता एडवोकेट रंजना शर्मा ने की तथा सफल संचालन एडवोकेट दीपक राठौर द्वारा किया गया। इस गौरवपूर्ण अवसर पर एडवोकेट सफिया कादिर एडवोकेट शिप्रा शर्मा एडवोकेट ललित मोहन सैनी एडवोकेट जितेन्द्र निक्की एडवोकेट प्रिया चौहान एडवोकेट प्रियंका एडवोकेट पावेंद्र मौर्य

पी.एल.बी. वीरू मौर्य राकेश सैनी आदि मौजूद रहे।

बुद्ध पूर्णिमा पर मनाया गया मानव एकता दिवस महात्मा गौतम बुद्ध के सिद्धांतों पर चलने का लिया संकल्प

सम्भल (सब का सपना):- सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता समिति भारत द्वारा बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर करूणा, सत्य और अहिंसा के प्रतीक महात्मा गौतम बुद्ध की जयंती बड़े उत्साह के साथ मानव एकता दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम में उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया गया। यह आयोजन नगर की समाजसेविका डॉ. सुधा सक्सेना के आवास स्थित सुशीला सक्सेना अस्पताल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ समिति के राष्ट्रीय संरक्षक डॉ. यू.सी. सक्सेना, राष्ट्रीय अध्यक्ष हरद्वारी लाल गौतम एवं अन्य अतिथियों द्वारा बुद्ध के चित्र पर माल्यार्पण और बुद्ध वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने महात्मा गौतम बुद्ध के जीवन और उनके सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. यू.सी. सक्सेना ने कहा कि बुद्ध के विचारों को अपनाने से ही मानवता का विकास संभव है। वहीं हरद्वारी लाल गौतम ने उन्हें शांति और करुणा का अग्रदूत बताते हुए समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में प्रोफेसर निरंकार सिंह, डॉ. अमृतेश अवस्थी, डॉ. राघवेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. विकास कुमार यादव सहित अन्य वक्ताओं ने वर्तमान समय में बुद्ध के सिद्धांतों की प्रासंगिकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज के तनावपूर्ण और संघर्षपूर्ण माहौल में बुद्ध के विचार मानवता के लिए मार्गदर्शक हैं।

वक्ताओं ने बताया कि महात्मा गौतम बुद्ध ने समानता, अहिंसा और भाईचारे का संदेश देकर समाज को एकजुट करने का कार्य किया। कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों ने उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

समारोह में कई लोग और समाजसेवी उपस्थित रहे, जिन्होंने बुद्ध के संदेशों को अपनाकर समाज में शांति और एकता स्थापित करने पर जोर दिया।

बार रूम में धूमधाम से मनाई गई बुद्ध पूर्णिमा, भगवान बुद्ध के सिद्धांतों पर दी गई जानकारी

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- जनपद के चंदौसी बार रूम में शुक्रवार को बुद्ध पूर्णिमा का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस विशेष अवसर पर बार एसोसिएशन से जुड़े अधिवक्ताओं ने एकत्र होकर तथागत भगवान बुद्ध के चित्र पर माल्यार्पण किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद सिंह द्वारा की गई। जबकि कुशल संचालन विकास कुमार मिश्रा ने संपन्न किया।समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने भगवान बुद्ध के जीवन दर्शन और उनकी शिक्षाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि भगवान बुद्ध ने अपने जीवन में शांति, अहिंसा और करुणा का जो संदेश पूरी दुनिया को दिया, वह आज के आधुनिक युग में और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार सिद्धार्थ ने राजसी सुखों का त्याग कर सत्य और ज्ञान की खोज की और विश्व को अष्टांगिक मार्ग के जरिए दुखों से मुक्ति का रास्ता दिखाया। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि भगवान बुद्ध ने अपने जीवन में हमेशा समानता और मानवता को सर्वोपरि रखा और समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया। अध्यक्षीय संबोधन में विनोद सिंह ने कहा कि बुद्ध का मार्ग केवल एक धर्म नहीं बल्कि जीवन जीने की एक श्रेष्ठ कला है। वहीं सचिव तीरथ यादव जी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अधिवक्ताओं को भी बुद्ध के न्याय और धैर्य के सिद्धांतों को अपने पेशेवर जीवन में उतारना चाहिए। इस अवसर पर मलखान सिंह, नेम सिंह, राजीव कुमार शर्मा, विष्णु कुमार शर्मा कमलेश सिंह सुनील सिंह नीरेश अरुण विभोर बंसल, सचिन गोयल पूर्णिमा गुप्ता उज्वल चौधरी, शिवम सिंह, अमरीश अग्रवाल, भारी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

डिबाई विधायक ने की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात, क्षेत्रीय विकास व शिक्षा को मिली नई दिशा

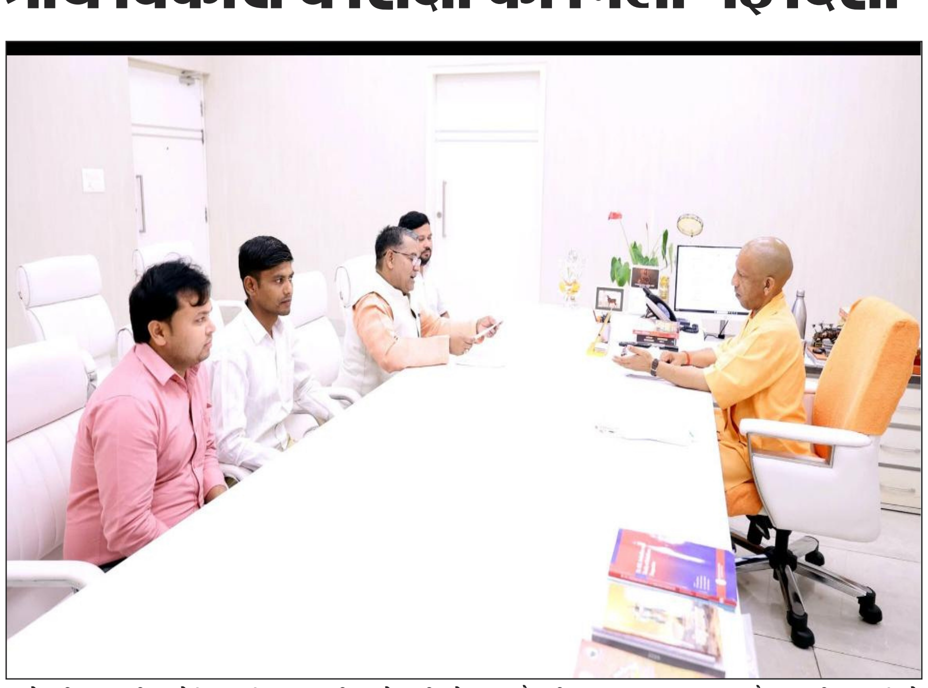

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- विधायक चंद्रपाल सिंह लोधी ने गुरुवार शाम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर विधानसभा क्षेत्र के विकास एवं युवाओं की शिक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण मांगें प्रमुखता से रखीं। मुख्यमंत्री ने विधायक की मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेते हुए क्षेत्र को बड़ी सौगात दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आशा देवी मंदिर के जीर्णोद्धार एवं क्षेत्रीय विकास कार्यों के लिए स्वीकृत 77 लाख धनराशि में से 46 लाख रुपये तत्काल प्रभाव से मुक्त करने की घोषणा की। इस राशि से मंदिर परिसर एवं क्षेत्र के विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।

विधायक चंद्रपाल सिंह लोधी ने बताया कि समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग सेंटर के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि डिबाई के दिगंबर डिग्री कॉलेज में संचालित इस योजना के तहत प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे की आवासीय कोचिंग सुविधा सरकार द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

यह सुविधा नोएडा जैसे बड़े शहरों में प्रदान की जाएगी, जिससे क्षेत्र के युवाओं को उच्चस्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी का अवसर मिलेगा।

विधायक चंद्रपाल सिंह लोधी की इस पहल को क्षेत्रीय विकास, धार्मिक संरक्षण और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने इसे डिबाई विधानसभा के लिए बड़ी उपलब्धि बताया है।

इस अवसर पर पिंटू लोधी, कारखोरा प्रधान गजेंद्र सिंह चौहान एवं रूपेंद्र लोधी भी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से मिले मधुसूदन गौशाला के संरक्षक बब्बन मियां

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपन):- जनपद के स्याना के गांव चंदियाना निवासी मधुसूदन गौशाला के संरक्षक व क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी बब्बन मियां ने बृहस्पतिवार को प्रदेश की राजधानी लखनऊ में उत्तर प्रदेश के यशस्वी उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से शिष्टाचार भेंट की। विधानसभा स्थित उपमुख्यमंत्री कार्यालय में हुई इस मुलाकात के दौरान क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सकारात्मक चर्चा की गई।विकास कार्यों को मिलेगी नई गतिमुलाकात के दौरान बब्बन मियां ने उपमुख्यमंत्री को क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और विकास की संभावनाओं से अवगत कराया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, जो राज्य स्तरीय विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (DISHA) के सह-अध्यक्ष भी हैं, ने इस दौरान स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आश्वस्त किया कि शीघ्र ही 'दिशा' (DISHA) समिति की बैठक आयोजित की जाएगी, जिससे लंबित विकास योजनाओं को नई गति प्रदान की जा सके और जनहित के कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके। शिष्टाचार भेंट के उपरांत बब्बन मियां ने उपमुख्यमंत्री के सरल स्वभाव और विकासोन्मुखी दृष्टिकोण की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। जनहित के मुद्दों पर उनकी संवेदनशीलता प्रेरणादायक है।

इस मुलाकात और उनके द्वारा दिए गए आश्वासनों से निश्चित रूप से क्षेत्र में विकास कार्यों को एक नई ऊर्जा और गति मिलेगी।"प्रमुख बिंदुओं पर रहा जोरमुलाकात के दौरान मुख्य रूप से मधुसूदन गौशाला के माध्यम से गौ-सेवा और उनके बेहतर रख-रखाव पर विचार-विमर्श। समिति की सक्रियताः राज्य स्तरीय विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (DISHA) की आगामी बैठकों की रूपरेखा। बुगरासी और आसपास के क्षेत्रों में सड़क, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण।

बब्बन मियां और उपमुख्यमंत्री की इस मुलाकात की खबर जैसे ही क्षेत्र में पहुँची, समर्थकों और स्थानीय निवासियों में हर्ष की लहर दौड़ गई। लोगों का मानना है कि शासन स्तर पर इस तरह के संवाद से क्षेत्र की समस्याओं का त्वरित समाधान होगा और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ आम जनमानस को मिल सकेगा।

ट्रेन से गिरकर अज्ञात व्यक्ति की मौत, पुलिस जांच में जुटी

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- थाना स्योहारा क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां ट्रेन से गिरकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को सुबह करीब 09:33 बजे डायल 112 के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि महमूदपुर फाटक के पास अप रेलवे लाइन किनारे पोल नंबर 1437/25-26 के बीच एक व्यक्ति (उम्र करीब 50 वर्ष) ट्रेन से गिरने के कारण मृत अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस द्वारा मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया गया, लेकिन खबर लिखे जाने तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूर्ण करने के बाद पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल बिजनौर की मोर्चरी भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य है। मृतक की पहचान के प्रयास जारी हैं तथा अन्य आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

हाथी के हमले में महिला की मौत, गांव में दहशत, दो घंटे बाद पहुंची वन विभाग टीम

मंडावली/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के मंडावली क्षेत्र के ग्राम रामपुर चाढा में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया। दूध लेने जा रही 45 वर्षीय महिला पर जंगली हाथी ने हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम निवासी ब्रह्मवती (45) पत्नी सुंदर सिंह सुबह करीब साढ़े सात बजे गांव से लगभग 500 मीटर दूर कालू के डेरे पर दूध लेने जा रही थीं। इसी दौरान रास्ते में अचानक हाथी सामने आ गया और उसने महिला पर हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। महिला की मौत से परिवार में कोहराम मच गया, वहीं पूरे गांव में भय का वातावरण बन गया। ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। आरोप है कि सूचना देने के करीब दो घंटे बाद वन विभाग की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची। भागूवाला चौकी प्रभारी संजय सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार जंगली हाथियों की आवाजाही बनी हुई है, जिससे लोगों में भय व्याप्त है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि हाथियों की रोकथाम और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

फिलहाल, वन विभाग मामले की जांच में जुटा है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

किरतपुर में जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन

किरतपुर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद किरतपुर के अंतर्गत त्रिदिवसीय जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस नायब तहसीलदार अतुल भगत ने समय से उपस्थित होकर प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित किया तथा प्रशिक्षण का विधिवत शुभारंभ किया।नगर पालिका परिषद किरतपुर की अधिशासी अधिकारी मेघा गुप्ता के निर्देशन में जनगणना सहायक चार्ज अधिकारी ज्ञानेश्वर आनन्द (कर निरीक्षक) तथा मास्टर ट्रेनर सुखदेव सिंह एवं शिवेन्द्र कुमार विश्नोई द्वारा प्रगणकों और सुपरवाइजरों को विस्तृत एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का प्रथम बैच 22 से 24 अप्रैल 2026 तक रामा इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन, किरतपुर में आयोजित किया गया, जिसमें 42 में से 36 प्रशिक्षणार्थियों ने सहभागिता की। वहीं द्वितीय बैच में 50 में से 45 प्रतिभागियों की उपस्थिति दर्ज की गई। 25 से 27 अप्रैल के मध्य होमगार्ड परीक्षा में शिक्षकों की ड्यूटी लगने के कारण प्रशिक्षण कार्यक्रम अस्थायी रूप से स्थगित रहा। इसके उपरांत 28 से 30 अप्रैल तक प्रशिक्षण पुनः सुचारू रूप से संचालित किया गया। कार्यक्रम का अंतिम बैच 4 से 6 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों के लिए चाय एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की गई, जिसकी उपस्थित जनों ने सराहना की। कार्यक्रम के प्रथम एवं द्वितीय चरण शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुए। इस अवसर पर जिला जनगणना प्रभारी जे.पी. यादव ने प्रशिक्षण स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए।

गांव में रहस्य बना बुजुर्ग की मौत का मामला

परिजन बोले ट्रैक्टर खुद स्टार्ट हुआ, ग्रामीणों ने जताया शक

बिजनौर (सब का सपना):- रात की खामोशी में हुई दर्दनाक घटना ने पूरे गांव को हिला कर रख दिया। नांगल थाना क्षेत्र के गौसपुर गांव में एक बुजुर्ग किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, जिससे इलाके में शोक के साथ-साथ कई सवाल भी खड़े हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार विजय पुत्र बुध सिंह रोज की तरह अपने घर के बरामदे में चारपाई पर सो रहे थे। देर रात किसी समय वह ट्रैक्टर की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सुबह जब परिजन जागे तो उन्हें विजय मृत अवस्था में मिले और पास में ट्रैक्टर खड़ा था। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

परिजनों का कहना है कि ट्रैक्टर अचानक अपने आप स्टार्ट हो गया और अनियंत्रित होकर विजय के ऊपर चढ़ गया। हालांकि ग्रामीणों को इस बात पर संदेह है। उनका कहना है कि बिना चाबी के ट्रैक्टर का अपने आप स्टार्ट होना संभव नहीं है, जिससे घटना को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं और मामला संदिग्ध नजर आ रहा है।

सूचना मिलने पर नांगल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

इस घटना के बाद गांव में शोक के साथ-साथ दहशत और चर्चा का माहौल बना हुआ है। लोग इस रहस्यमयी हादसे को लेकर तरह-तरह की आशंकाएं जता रहे हैं।

एआई कार्यशाला में प्रतिभागियों ने सीखे आधुनिक तकनीक के गुर

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- अमर सिंह महाविद्यालय, लखावटी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सभी के लिए विषय पर आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हुआ। समापन समारोह का वर्चुअल शुभारंभ डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ शशिकांत शाह ने किया। उन्होंने एआई की वर्तमान उपयोगिता और इसके मूलभूत सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों ने कार्यशाला को उपयोगी बताते हुए अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ मनीष मिश्रा ने किया, जबकि डॉ रामजी द्विवेदी ने रिपोर्ट प्रस्तुत की और डॉ पंकज कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जहांगीराबाद में एसपी देहात का पैदल मार्च, शांति की अपील

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- जुमे की नमाज के मद्देनजर अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अंतरिक्ष जैन ने पुलिस बल के साथ नगर में पैदल मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और लोगों से शांति व सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

मार्च के बाद आयोजित गोष्ठी में संभ्रांतजनों व व्यापारियों ने बढ़ते ट्रैफिक, मॉडिफाई बुलेट साइलेंसर और तेज डीजे साउंड की समस्याएं उठाईं, जिन पर शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। इस दौरान चौकी का निरीक्षण कर अभिलेख अद्यतन रखने और शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश भी दिए गए।

मेहनत की कहानी बच्चों की जुबानी, किंडरगार्टन में श्रमिक दिवस का शानदार आयोजन

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- बी आर इंटरनेशनल के किंडरगार्टन वर्ग में श्रमिक दिवस बड़े ही उत्साह और खुशी के साथ मनाया गया, जिसमें नन्हे-मुन्ने बच्चे विभिन्न समुदाय सहयोगियों जैसे–मजदूर, सफाई कर्मी, माली, चिकित्सक, नर्स, शिक्षक, पुलिसकर्मी, अग्निशामक, किसान, डाकिया, दूधवाला, सब्जीवाला, चालक, बढ़ई, प्लंबर और बिजली मिस्त्री के रूप में सजे-धजे नजर आए। कार्यक्रम की शुरूआत शिक्षिका द्वारा श्रमिक दिवस के महत्व को समझाने से हुई, जिसके बाद बच्चों ने अपने-अपने किरदार के अनुसार छोटे-छोटे संवाद और अभिनय प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या अंशु भाटिंका एवं अध्यक्ष अमित नागर ने संदेश दिया कि ह्यश्रमिक दिवस हमें हर कार्य के महत्व को समझने और श्रमिकों के प्रति सम्मान व कृतज्ञता प्रकट करने की प्रेरणा देता है, तथा बच्चों की यह प्रस्तुति उनके भीतर मेहनत, समर्पण और जिम्मेदारी की भावना को दशार्ती है।ह्व इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों में श्रम के प्रति आदर और आभार की भावना विकसित हुई तथा पूरा वातावरण खुशी, सीख और उत्साह से भर गया, जिससे यह आयोजन सभी के लिए यादगार बन गया।

पशुओं की सुरक्षा पर फोकस, हर गौशाला में पानी छिड़काव और सीसीटीवी अनिवार्य

बिजनौर (सब का सपना):- भीषण गर्मी के बीच पशुओं की सुरक्षा और गौशालाओं की व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आयोजित बैठक में गौशालाओं के संचालन और व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई, जिसमें कई अहम निर्देश जारी किए गए।

बैठक में जिलाधिकारी ने साफ कहा कि गर्मी के चलते सभी गौशालाओं में सुबह-शाम पानी का नियमित छिड़काव कराया जाए, ताकि पशुओं को राहत मिल सके। साथ ही हर गौशाला में सीसीटीवी कैमरे लगाकर उन्हें पूरी तरह क्रियाशील रखने के निर्देश दिए गए, जिससे निगरानी व्यवस्था मजबूत हो सके। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि जहां अतिरिक्त शेड की जरूरत हो, वहां प्राथमिकता के आधार पर प्रस्ताव भेजकर निर्माण कार्य कराया जाए।

जिलाधिकारी ने पशुओं की पहचान सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य रूप से ईयर टैगिंग कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि जहां नई या अस्थायी गौशालाओं की आवश्यकता हो, वहां प्रस्ताव तैयार कर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करें। बीमार पशुओं के लिए अलग व्यवस्था कर उनके उपचार पर विशेष ध्यान देने की भी बात कही गई।

उन्होंने भूसे और हरे चारे की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि जहां कमी हो, वहां बड़े किसानों से समन्वय कर ह्लभूसा दान योजनाह्व के तहत पूर्ति कराई जाए। इसके साथ ही सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए कि गौशालाओं की जमीन पर यदि कहीं अवैध कब्जा हो तो विशेष अभियान चलाकर उसे तुरंत हटाया जाए। इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट स्मृति मिश्रा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. लोकेश कुमार अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन के इन निदेर्शों को गौशालाओं की व्यवस्था सुधारने और पशुओं को भीषण गर्मी से राहत दिलाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

स्मार्ट मीटर को लेकर किरतपुर में हंगामा, लोगों ने किया प्रदर्शन

किरतपुर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर के मोहल्ला कोटला में स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। भारी बिजली बिल और तकनीकी खामियों से परेशान मोहल्लेवासियों ने गुरुवार को विद्युत विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और पुराने मीटर पुनः लगाने की मांग उठाई।

प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग विद्युत उपकेंद्र पहुंचे और विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान उन्होंने एक प्रार्थना पत्र भी सौंपते हुए स्मार्ट मीटर हटाने और पुराने मीटर लगाने की मांग की। मोहल्लेवासियों का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से बिजली बिल कई गुना बढ़ गए हैं। उनका कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है। लोगों ने बताया कि मीटर में तकनीकी खामियों के चलते गलत बिलिंग हो रही है, जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि जब वे अपनी शिकायत लेकर विद्युत उपकेंद्र पहुंचे, तो वहां कोई जिम्मेदार अधिकारी मौजूद नहीं मिला। एसडीओ सहित अन्य अधिकारी मौके से अनुपस्थित रहे, जिससे लोगों में रोष और बढ़ गया। एक महिला प्रदर्शनकारी ने कहा कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है और अब वे पुराने मीटर ही चाहते हैं।

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

फिलहाल इस मामले में विद्युत विभाग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। प्रशासन की अगली कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

खेलते हुए गर्म राख से झुलसे बच्चे, जिला अस्पताल में भर्ती

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के एक गांव में दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां आम के बाग में पड़ी गर्म राख में खेलते समय 4झ्र5 बच्चे गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और परिजनों में चिंता का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, यह घटना जोधवाला गांव की है, जहां मिल से निकली गर्म राख आम के बाग में पड़ी हुई थी। बच्चे खेलते-खेलते अनजाने में राख के संपर्क में आ गए, जिससे वे बुरी तरह झुलस गए। घटना के तुरंत बाद परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से सभी बच्चों को जिला अस्पताल बिजनौर में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, घायल बच्चे करीब 30 से 50 प्रतिशत तक झुलसे हैं और उनका उपचार जारी है।

घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश भी देखा जा रहा है। उनका कहना है कि मिल से निकली राख को खुले में छोड़ना गंभीर लापरवाही है, जिससे ऐसे हादसे हो रहे हैं।

फिलहाल अस्पताल में बच्चों का इलाज चल रहा है और प्रशासन द्वारा मामले की जानकारी ली जा रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

उपजा बुलन्दशहर की जिला कार्यकारिणी बैठक संपन्न, नए जिलाध्यक्ष के नाम पर मंथन

बुलन्दशहर (सब का सपना):- यूपी जर्नलिस्ट एसोसिएशन (उपजा) बुलन्दशहर की जिला कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में संगठन के विस्तार, मजबूती तथा पत्रकारों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता जिला संरक्षक एवं पूर्व जिलाध्यक्ष माधव शर्मा तथा संचालन पूर्व वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अरुण चौधरी ने किया। जिला संरक्षण ने संबोधन में माधव शर्मा ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए उसके विस्तार पर जोर देते हुए सभी सदस्यों से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर पूर्व जिला महामंत्री दीपक शर्मा ने नई कार्यकारिणी के शीघ्र गठन की आवश्यकता बताते हुए कहा कि इससे संगठन को नई दिशा और गति मिलेगी। साथ ही उन्होंने जिलाध्यक्ष पद की नियुक्ति को प्राथमिकता देने की बात भी कही।

पूर्व जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार और महबूब अली ने संगठनात्मक गतिविधियों को नियमित बनाए रखने के लिए मासिक बैठक आयोजित करने पर बल दिया। वहीं पूर्व जिला मीडिया प्रभारी जेपी गुप्ता ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य पत्रकारों के हितों की रक्षा करना होना चाहिए।

पूर्व जिला कोषाध्यक्ष नंदकिशोर लोधी एवं सह कोषाध्यक्ष के. प्रसाद ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें सरकारी योजनाओं का समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है, जो चिंता का विषय है।

पूर्व जिला उपाध्यक्ष सर्वेश राणा और मोहित कौशिक ने पत्रकारों से एकजुट रहने का आह्वान करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती से ही समस्याओं का समाधान संभव है। पूर्व जिला उपाध्यक्ष अरुण चौधरी ने भी संगठन द्वारा पत्रकारिता के मूल्यों की रक्षा करने और हर आवाज को मजबूती से उठाने का भरोसा दिलाया।

बैठक के अंत में नए जिलाध्यक्ष के नाम को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। प्रस्तावित नाम को अंतिम निर्णय के लिए प्रदेश नेतृत्व को भेज दिया गया है।

बैठक का समापन संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के संकल्प के साथ किया गया।

शिकारपुर को भौकाल नहीं भविष्य चाहिए विधायक प्रत्याशी हरेन्द्र चौधरी का बड़ा ऐलान

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर शिकारपुर विधानसभा क्षेत्र में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है विधायक प्रत्याशी हरेन्द्र चौधरी, ने क्षेत्र के विकास को लेकर अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए एक नया नारा बुलन्द किया है। शिकारपुर को भौकाल नहीं भविष्य चाहिए हरेन्द्र चौधरी, ने कहा कि अब समय खोखले दावों और दिखावे की राजनीति का नहीं बल्कि शिकारपुर के युवाओं, किसानों और व्यापारियों के सुरक्षित भविष्य के निर्माण का है उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी प्राथमिकता क्षेत्र में बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं और रोजगार के अवसर पैदा करना है ताकि शिकारपुर विकास की मुख्यधारा से जुड़ सके क्षेत्रीय जनता के बीच इस नारे की काफी चर्चा है और इसे बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है हरेन्द्र चौधरी, के समर्थकों मनीष शिकारपुरिया, रोविन चौधरी, शिवम चौधरी, निशान्त मित्तल, शिवम रावत, मनीष सैनी, राजा, गगन, का कहना है कि वे केवल वादे नहीं बल्कि ठोस कार्ययोजना के साथ जनता के बीच जा रहे है ।

हरियाणा के हांसी में बंदर के हमले से तीन साल की बच्ची घायल, सिर पर लगे 11 टांके

हिसार। हांसी में हरियाणा गोशाला के पास वीरवार सुबह एक बंदर घर के अंदर घुस गया। घर के अंदर खेली रही तीन साल की बच्ची जन्नत के सिर और हाथ पर काट लिया। बच्ची का शोर सुनकर उसकी मां और नानी आई और उसे बंदर से छुड़वाया। लहूलुहान हालत में बच्ची को लेकर नागरिक अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में पहुंचे। जहां पर बच्ची के सिर पर 11 टांके आए। बच्ची दर्द के मारे रो-रोक कर बुरा हाल था। स्वजन ने बताया कि गोशाला के पास काफी बंदर है जो आए दिन किसी न किसी को काटते रहते हैं।आपातकालीन कक्ष में पहुंची ममता ने बताया कि सुबह में घर का काम कर रही थी। मेरी मां किसी काम से घर से बाहर गई हुई थी। घर के आंगन में तीन साल की बेटी जन्नत खेल रही थी। इसी दौरान अचानक घर के अदंर एक बंदर घुस आया। उसने बेटी को पकड़ा और दांतों से सिर पर काटा।बंदर ने कई बार काटा। हाथ पर भी काटने के जख्म है। बेटी के चिल्लाने की आवाज सुनी तो आंगन में आकर देखा तो बंदर बेटी को पकड़े हुआ था। उसे बंदर से छुड़वाया और जख्मी हालत में उसे लेकर अस्पताल आए। यहां पर चिकित्सकों ने उसका उपचार किया और बाद में छुट्टी दे दी। बच्ची की हालत अब खतरे से बाहर है।

सरपंच सीट पर घर की जंग, पिता की विरासत के लिए 3 सगे भाई मैदान में उतरे...बढ़ी राजनीतिक हलचल

बहादुरगढ़ : शहर के गांव बाढ़सा में इस बार सरपंच का उपचुनाव महज एक राजनीतिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक ही परिवार के भीतर सीधी टक्कर का रूप ले चुका है। पूर्व सरपंच ज्ञानचंद के निधन से खाली हुई सीट पर उनके तीनों सगे बेटे दीपक (45), रमेश (43) और मनोज (40) चुनावी मैदान में उतर आए हैं। पिता की विरासत संभालने की यह होड़ अब भाइयों के बीच मुकाबले में बदल गई है, जिससे गांव की सियासत काफी दिलचस्प और गर्म हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2022 में ग्रामीणों ने ज्ञानचंद को सरपंच चुना था, लेकिन पिछले साल मई में उनके निधन के बाद यह पद खाली हो गया। अब इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है। ग्राम पंचायत बाढ़सा में कुल 3450 मतदाता हैं और सरपंच पद एससी वर्ग के लिए आरक्षित है। हालांकि उपचुनाव में कुल नौ उम्मीदवार मैदान में हैं, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा ज्ञानचंद के तीनों बेटों के चुनाव लड़ने को लेकर है। गांव में यह भी चर्चा है कि जो बेटे पहले अपने पिता के लिए वोट मांगते थे, अब वही अपने-अपने लिए मतदाताओं के बीच जा रहे हैं। तीनों बेटों ने चुनाव मैदान में उतरने का कारण बतायापूर्व सरपंच के सबसे बड़े बेटे दीपक का कहना है कि उन्होंने अपने पिता के सरपंच कार्यकाल में हमेशा उनका सहयोग किया और वे सभी कामकाज से परिचित हैं। उन्होंने चुनाव मैदान में उतरने का फैसला पिता के अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए लिया है। वहीं दूसरे बेटे रमेश पेशे से वकील हैं और गुरुग्राम में प्रैक्टिस करते हैं। उनका कहना है कि वे एक शिक्षित और सामाजिक व्यक्ति हैं और पिता के मार्गदर्शन में ही राजनीति में आए हैं। सबसे छोटे बेटे मनोज स्नातक हैं और उनका कहना है कि उनका अपने पिता से विशेष लगाव था। वे भी सरपंच के कार्यों में सहयोग करते थे। मनोज का दावा है कि परिवार के कुछ सदस्यों का उन्हें समर्थन प्राप्त है। तीनों भाइयों के चुनाव लड़ने पर उन्होंने कहा कि परिवार के बड़े-बुजुर्ग सभी को एकजुट रखने की कोशिश कर रहे हैं और जो भी निर्णय होगा, उसका सम्मान किया जाएगा।

जीजा को गाड़ी में बैठा ले गया साला, अपहरण की सूचना पर दौड़ी पुलिस

हिसार। रायपुर गांव के रहने वाले एक ट्रांसपोर्टर को उसका साला अपने साथियों के साथ गाड़ी में बैठा कर ले गया। पुलिस के पास ट्रांसपोर्टर के अपहरण होने की सूचना मिली। ऐसे में सदर थाना पुलिस की टीम ने जांच शुरू की और गाड़ी को रामायण टोल के पास पकड़ लिया। गाड़ी के अंदर ट्रासंपोर्टर के साथ उसका साल और चार पांच युवक बैठे थे। बाद में ट्रांसपोर्टर को गाड़ी से उतारा और घर भेज दिया। हालांकि, अभी तक ट्रांसपोर्टर की तरफ से पुलिस को कोई शिकायत नहीं दी है। जानकारी के अनुसार रायपुर गांव का रहने वाले एक व्यक्ति ने गांव के पास ही ट्रांसपोर्ट का ऑफिस किया हुआ है। वीरवार शाम को उसका साला अपने चार-पांच दोस्तों के साथ ऑफिस पहुंचा। वहां पर तीन से चार मिनट तक दोनों के बीच आपस में बातचीत होने लगी। फिर वे ट्रांसपोर्टर को अपनी गाड़ी में बैठा कर ले गए। उनके जाने के बाद वहां पर काम करने वाले एक व्यक्ति ने पुलिस को सूचना दी कि ट्रांसपोर्टर का साला अपने जीजा का अपहरण कर ले गया।

हरियाणा में दुष्कर्म के दोषी और धमकी देने के आरोपी को 14 साल की सजा, 80 हजार मुआवजा देने का भी आदेश

सिरसा। फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय सिरसा के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डॉ. नरेश कुमार सिंघल की अदालत ने दुष्कर्म व धमकी के एक मामले में अहम फैसला सुनाते हुए आरोपित को दोषी करार दिया है। अदालत ने ऐलनाबाद के गांव पोहड़कां निवासी दोषी रामपाल को 14 साल कैद की सजा सुनाई है। जिला न्यायवादी विनोद कुमार भांभू ने बताया कि महिला थाना सिरसा में 17 दिसंबर 2020 को पीड़िता ने मामला दर्ज करवाया था। जिसके बाद पुलिस द्वारा आठ अगस्त 2022 को कोर्ट में चालान पेश किया गया। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने वीरवार को धारा 376(2)(एफ) के तहत 14 वर्ष के कठोर कारावास और एक लाख रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई है। जुमार्ना अदा न करने की स्थिति में 6 माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। वहीं धारा 506 के तहत दो वर्ष का कठोर कारावास और दो हजार रुपये जुमार्ना लगाया गया है। जुमार्ना न भरने पर एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।कोर्ट ने कुल एक लाख दो हजार रुपये की जुमार्ना राशि में से 80 हजार रुपए पीड़िता को मुआवजे के रूप में देने के आदेश दिए। जिला न्यायवादी विनोद कुमार भांभू ने बताया कि न्यायालय ने सभी साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आरोपित को दोषी ठहराते हुए यह सजा सुनाई है।

यमुनानगर कोर्ट में धमाका : कोर्ट परिसर में एसी ब्लास्ट से मौके पर मचा हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

यमुनानगर : यमुनानगर के कोर्ट परिसर से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है, जहां एक एडवोकेट के चेंबर में लगे अउ में अचानक जोरदार ब्लास्ट हो गया। धमाके के बाद आग इतनी तेजी से फैली कि पूरे चेंबर का सामान जलकर राख हो गया। गनीमत यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि एक पुलिसकर्मी हल्का झुलस गया। जानकारी के अनुसार घटना कोर्ट परिसर के ब्लॉक-ए की तीसरी मंजिल पर स्थित चेंबर नंबर 324 की है। बताया जा रहा है कि एडवोकेट मानीक लूथरा अपने चेंबर में काम कर रहे थे और एसी चल रहा था। तभी अचानक एसी से अजीब आवाज आने लगी और कुछ ही सेकंड में उसमें से धुआं और स्पार्किंग शुरू हो गई। स्थिति को भांपते हुए एडवोकेट तुरंत चेंबर से बाहर निकल आए। एडवोकेट द्वारा बार रूम में सूचना दिए जाने के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोग आग बुझाने के लिए अग्निशमन यंत्र जुटाने लगे, लेकिन इसी दौरान एसी में जोरदार ब्लास्ट हो गया। धमाके के बाद चेंबर से धुआं और आग की लपटें बाहर निकलने लगीं, जिससे पूरे परिसर में हड़कंप मच गया।सूचना मिलते ही कोर्ट सिक्योरिटी में तैनात पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। आग पर काबू पाने के लिए छत पर रखी टंकी से पाइप के जरिए पानी पहुंचाया गया। करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित किया जा सका। इस दौरान कांस्टेबल साहेब सिंह का हाथ हल्का झुलस गया। मौके पर पहुंचे एसआई महिंद्र पाल ने बताया कि हमें सूचना मिली तो तुरंत टीम के साथ पहुंचे। प्राथमिक जांच में एसी ब्लास्ट से आग लगना सामने आ रहा है, जांच जारी है। इस हादसे में चेंबर में रखी केस से जुड़ी अहम फाइलें, फर्नीचर, एलईडी, पंखे, इन्वर्टर और किताबें पूरी तरह जलकर नष्ट हो गईं। हालांकि राहत की बात यह रही कि समय रहते सभी लोग बाहर निकल गए और कोई बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आग लगने के सही कारणों का पता लगाया जा रहा है।

पलवल में शादी वाले घर में बदमाशों ने की फायरिंग, घर में घुसकर दूल्हन के भाई को मारी गोली; मचा हड़कंप

पलवल (गुरुदत्त गर्ग) : पलवल के फिरोजपुर गांव में पुरानी रंजिश के चलते शादी वाले घर में देर रात हमला कर दहशत फैला दी गई। आरोप है कि कुछ युवकों ने घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसकर गाली-गलौज, मारपीट और फायरिंग की। इस दौरान नितिन पुत्र अजीत सिंह के जांघ में गोली लग गई। घर पर खड़ी कई गाड़ियों में भी की तोड़-फोड़ इधर घटना के बाद घायल नितिन को तुरंत पलवल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने करीब दो घंटे के ऑपरेशन के बाद जांघ में फंसी गोली को बाहर निकाला। फिलहाल युवक की हालत स्थिर बताई जा रही है। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने नामजद व अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत में आरोप है कि हमलावरों ने घर पर खड़ी कई गाड़ियों में भी कुल्हाड़ी, फरसा व अन्य हथियारों से तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया।बताया जा रहा है कि 30 अप्रैल को घायल नितिन की बहन की शादी होनी है। शादी से एक दिन पहले 29 अप्रैल की रात हल्दी कार्यक्रम के बाद परिवार व रिश्तेदार घर पर आराम कर रहे थे, तभी यह वारदात हुई, जिससे शादी की खुशियां मातम में बदल गईं।

हरियाणा में सरपंची चुनाव के बीच आदमपुर में सनसनी, पुलिस चौकी से 50 कदम की दूरी पर पेंटर की हत्या

मंडी आदमपुर। मंडी आदमपुर व जवाहर नगर में सरपंची के चुनावी माहौल के बीच रेलवे स्टेशन पर पुलिस चौकी से महज 50 कदम दूरी पर बुधवार रात अज्ञात लोगों द्वारा सिर में चोट मारकर पेंटर प्रदीप की निर्मम हत्या कर दी। इंदिरा कॉलोनी निवासी प्रदीप की हत्या से पूरे आदमपुर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बन गया। पुलिस ने लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। सूचना मिलते ही अग्रोहा से डीएसपी किशोरी लाल, हिसार जीआरपी से डीएसपी कृष्ण कुमार, हिसार रेलवे एसएचओ श्याम सिंह, आदमपुर थाना प्रभारी एवं डीएसपी प्रिया शर्मा सहित पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। सीन आफ क्राइम इंचार्ज डा. पूनम कत्याल और फिंगर प्रिंट विशेषज्ञ ओमप्रकाश शर्मा ने आवश्यक साक्ष्य जुटाए। जानकारी के अनुसार पेंटर (42) प्रदीप का शव संदिग्ध परिस्थितियों में रेलवे स्टेशन पर पुलिस चौकी के नजदीक पेड़ के पास चबूतरे पर मिला।स्टेशन पर मौजूद रेल यात्रियों को एक बार तो लगा कि युवक पेड़ के नीचे लेटा हुआ है। सुबह सवा छह बजे जिम जाकर घर लौट रहे युवक सुग्रीव ने देखा और किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए इसकी सूचना डायल-112 पर दी। मृतक के भाई अशोक कुमार ने बताया कि प्रदीप बुधवार को गांव मोडाखेड़ा में काम पर जाने की बात कहकर घर से निकला था। देर रात तक घर न लौटने पर पर उसकी तलाश शुरू की और सुबह उसकी हत्या का पता चला। सुबह पड़ोसी मांगेराम ने प्रदीप की हत्या की होने की बात बताई तो वे मौके पर पहुंचे। देखा की प्रदीप रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म नंबर-1 पर एक सूखे पेड़ के नीचे चबूतरे के उपर पड़ा हुआ था। उसका सिर में चोट के गहरे निशान थे। बताया जा रहा है कि मृतक प्रदीप इंदिरा कॉलोनी का निवासी था और क्षेत्र में अच्छी पहचान रखता था। घटना की सूचना मिलते ही काफी संख्या में लोग रेलवे स्टेशन पर एकत्रित हो गए और रोष स्वरूप पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। गुस्साए लोगों ने तो एक बार शव उठाने से मना कर दिया और मौके पर एसपी को बुलाने की मांग करने लगे। थोड़ी देर बाद डीएसपी किशोरीलाल मौके पर पहुंचे और जल्द कार्रवाई कर हत्यारोपितों को पकड़ने का आश्वासन दिया। उधर रेलवे के डीएसपी कृष्ण कुमार भी घटनास्थल पर पहुंचे और आसपास लगे सीसी टीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। डीएसपी किशोरी लाल ने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कम नहीं हो रही हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा की मुश्किलें, ईडी ने कसा शिकंजा, इस मामले मुख्य साजिशकर्ता करार

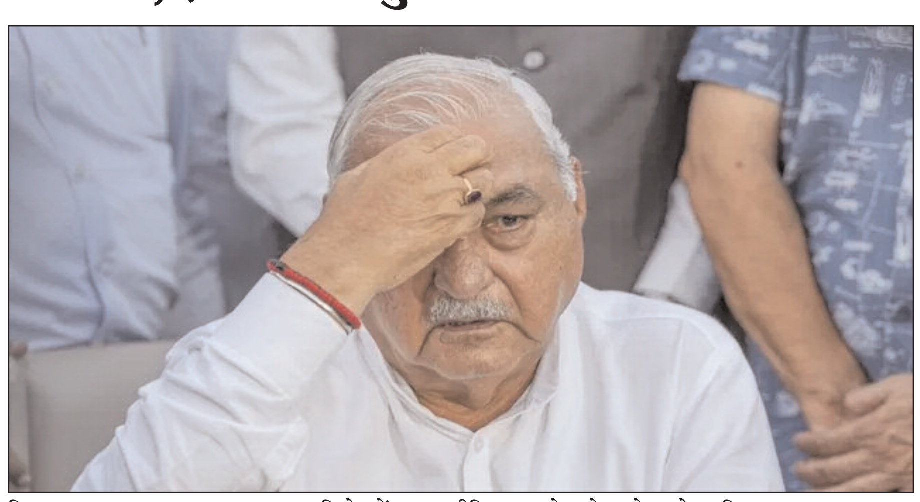

पंचकूला। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर पंचकूला औद्योगिक प्लॉट आवंटन मामले में शिकंजा कसता जा रहा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें इस कथित घोटाले का ह्यकेंद्रीय साजिशकर्ता करार दिया है और कार्रवाई तेज करने के संकेत मिल रहे हैं। मामले में सीबीआई भी चार्जशीट दाखिल कर चुकी है, जिससे यह मामला और संवेदनशील बन गया है। ईडी ने दायर प्रासिक्यूशन कंप्लेंट (पीसी) में दावा किया है कि औद्योगिक प्लॉटों के आवंटन की पूरी स्क्रिप्ट खुद हुड्डा ने लिखी। आरोप है कि पात्रता के नियमों में मनमाने बदलाव कर कुछ चुनिंदा लोगों को फायदा पहुंचाया गया। जांच एजेंसी के अनुसार, अनुभव और योग्यता जैसे मानदंडों को हटाकर प्रक्रिया को कमजोर किया गया, जबकि वित्तीय क्षमता के अंक 25 से घटाकर 10 कर दिए गए। इसके विपरीत, वाइवा-वोचे के अंक 15 से बढ़ाकर 25 कर दिए गए,

जिससे इंटरव्यू बोर्ड को खुली छूट मिल गई। ईडी का कहना है कि इन बदलावों के जरिए ऐसे आवंटियों को लाभ पहुंचाया गया, जिनके पास न तो पर्याप्त अनुभव था और न ही मजबूत वित्तीय स्थिति।कई आवंटी सीधे तौर पर हुड्डा के परिचितों, रिश्तेदारों या राजनीतिक रूप से जुड़े लोगों से संबंध रखते थे। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ आवंटियों का संबंध उनके पैतृक गांव सांघी से था,

जबकि कुछ उनके करीबी सहयोगियों और राजनीतिक संपर्कों के जरिए जुड़े हुए थे। इस मामले में कुल 582 लोगों ने आवेदन किया था,

लेकिन केवल 14 को ही प्लॉट आवंटित किए गए। ईडी के अनुसार, जिन प्लॉटों की वास्तविक कीमत करीब 30.34 करोड़ रुपये थी, उन्हें मात्र 7.85 करोड़ रुपये में दे दिया गया ,जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ।

'ममता बनर्जी के चंगुल से आजाद होगा बंगाल...', केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने किया दावा

पानीपत। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने वीरवार दोपहर को करीब दो घंटे तक मैराथन बैठक की। इस दौरान बंगाल में हुई वोटिंग पर मनोहर लाल ने कहा कि वहां बड़ी संख्या में फर्जी वोट काटे थे। उन्होंने दावा किया कि जनता में ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश था, जिसका परिणाम वोटिंग के दिन दिखा। उन्होंने कहा कि एग्जिट पोल भी भाजपा की सरकार बनती दिखा रहे हैं। अब बंगाल ममता बनर्जी के चंगुल से निकल रहा है। प्रदेश में हो रहे नगर निगम, परिषद और नगरपालिकाओं के चुनाव पर उन्होंने कहा कि गुजरात की तरह यहां भी भाजपा एकतरफा जीत दर्ज करेगी। वहीं, पंचकूला प्लाट घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का नाम आने पर मनोहर लाल ने हमला बोला। उन्होंने कहा कि घोटालेबाजों का नाम कहां-कहां नहीं है? सब जगह इन लोगों ने खेल खेले हुए हैं। अब एक-एक कर परतें उखड़ रही हैं और असलियत सामने आ रही है। बैठक में करनाल लोकसभा क्षेत्र के पानीपत के विकास कार्यों की समीक्षा की। मनोहर लाल ने बताया कि गुरुवार को प्रथम चरण में पानीपत के 198 में से 35 गांवों के सरपंचों को बुलाया। एक-एक कर गांवों के विकास कार्यों की चर्चा की।

हरियाणा में बदला मौसम का मिजाज, चार जिलों में बारिश; कुरुक्षेत्र-यमुनानगर में ओलावृष्टि

हिसार। प्रदेश में वीरवार को अचानक से मौसम में बदलाव हुआ। कुरुक्षेत्र और यमुनानगर में ओलावृष्टि के साथ चार जिलों में वर्षा हुई। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। साथ ही दो मई से नया पश्चिमी विक्षोभ प्रदेश में एक्टिव होगा। इससे पांच मई तक लगातार फिर से वर्षा होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार कुरुक्षेत्र और यमुनानगर में ओलावृष्टि के साथ वर्षा हुई। उसके अलावा अंबाला, जींद में भी हल्की वर्षा हुई। मौसम विज्ञानियों ने पहले ही वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया था। वहीं एक मई को अभी प्रदेश में कोई अलर्ट नहीं है।हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डा. मदन खीचड़ ने बताया कि हरियाणा में मौसम आमतौर पर 5 मई तक परिवर्तनशील रहने की संभावना है। इस दौरान 2 मई को एक पश्चिमी विक्षोभ पहाड़ों की तरफ बढ़ने की संभावना है जिसके आंशिक प्रभाव से 3 से 5 मई के दौरान हरियाणा में आंशिक बादलवाई रहने तथा बीच-बीच में हवाएं चलने की संभावना है।इस दौरान हवाओं व गरज चमक के साथ राज्य में कहीं-कहीं बूंदाबांदी या हल्की वर्षा की संभावना है। इस दौरान दिन के तापमान में ज्यादा बदलाव न होने तथा रात्रि तापमान में

'जो पंच बना, उसकी मौत तय...', हरियाणा के दो गांवों में किसी ने नहीं भरा नामांकन; खाली रह गए पद

रोहतक। 21वीं सदी में जहां देश चांद और मंगल की ओर कदम बढ़ा रहा है, वहीं रोहतक जिले के दो गांवों में अंधविश्वास और डर ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को थाम दिया है। हालात ऐसे हैं कि पंच बनने से लोग कतरा रहे हैं, क्योंकि गांव में यह धारणा बन चुकी है, जो पंच बना, उसकी मौत तय है। जले के गांव सुंदरपुर और इस्माइला 9बी में पंच पद के लिए एक भी नामांकन नहीं भरा गया। प्रशासन ने खाली पदों को भरने के लिए प्रक्रिया शुरू की, लेकिन इन दोनों गांवों में सन्नाटा पसरा रहा। न कोई उम्मीदवार सामने आया और न ही किसी ने नामांकन दाखिल करने की हिम्मत जुटाई। गांव सुंदरपुर के वार्ड नंबर एक में पिछले करीब 10 साल से पंच का पद खाली है, जबकि इस्माइला 9बी के वार्ड नंबर 13 में यह स्थिति 8 साल से बनी हुई है। सुंदरपुर गांव के सरपंच प्रतिनिधि प्रवीन राठी के अनुसार, इन पदों पर चुने गए पंचों की कुछ समय बाद मृत्यु हो गई थी।सुंदरपुर में तो ऐसी तीन घटनाएं होने का दावा किया जा रहा है, जिससे लोगों के मन में डर और गहरा बैठ गया है। पिछली योजना में टीनू पंच बना हुआ था, बीमारी से निधन हो गया। इससे पहले पंच रमेश की भी बीमारी से मृत्यु हो गई। वहीं, इससे पहले भी पंच पद पर यह स्थिति बन चुकी है। ग्रामीणों के बीच यह बात फैल चुकी है कि इन वार्डों में पंच बनना अशुभ है। यही कारण है कि लोग इस जिम्मेदारी से दूरी बनाए हुए हैं। भले ही यह महज संयोग हो, लेकिन गांव में इसे एक अलौकिक संकेत की तरह देखा जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि जिले के अन्य 8 वार्ड में खाली पड़े पंच पदों पर सर्वसम्मति से चयन हो गया और बिना किसी चुनाव के पंच चुन लिए गए।

हिसार में बुलडोजर एक्शन, पांच घंटे तक चला 'पीला पंजा'; 100 से ज्यादा अवैध निर्माण ध्वस्त

हिसार। हरियाणा के हिसार जिले में शहर की सड़कों और सरकारी जमीन पर लंबे समय से जारी अवैध कब्जें और अतिक्रमण के खिलाफ आखिरकार वीरवार को प्रशासन की जेसीबी चली। वीरवार को हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) की टीम ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की मौजूदगी में सेक्टर 16-17 में व्यापक अवैध कब्जे हटाओ अभियान चलाया। दोपहर 12 बजकर 16 मिनट पर मकान नंबर-19 से शुरू हुआ यह अभियान शाम पांच बजे तक चलता रहा, जिसमें 100 से अधिक अवैध निमार्णों को ध्वस्त कर दिया गया। हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एचएसएएमबी) से ड्यूटी मजिस्ट्रेट एसडीओ सुरेंद्र के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई में एचएसवीपी का एक एसडीओ और तीन जूनियर इंजीनियरों की टीम ने सुनियोजित ढंग से काम किया। टीम ने मकान नंबर-19 से लेकर 936 नंबर तक क्रमबद्ध तरीके से कब्जे हटाए। लगभग पांच घंटे तक चली इस मुहिम में सड़कों और सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने का प्रयास किया गया। सुबह से शाम तक यूं चली कब्जे हटाने की कार्रवाई अवैध कब्जे हटाने के अभियान की शुरूआत सुबह नौ बजे की तैयारियों से हुई, जब एचएसवीपी टीम पुलिस सहायता के लिए थाने पहुंची। महिला पुलिसकर्मियों की अनुपलब्धता से कार्रवाई में विलंब हुआ। दोपहर करीब 12 बजे टीम को पुलिस बल मिला।इसके बाद 12:08 बजे टीम थाने से मौके के लिए रवाना हुई और 12:16 बजे पहली ग्रिल पर जेसीबी का पंजा चला। कार्रवाई के दौरान कहीं ग्रिल हटाई गई, तो कहीं दीवारें तोड़ी गईं। बेसहारा पशुओं के लिए बनाए गए होद, अवैध खोखे और अन्य ढांचों को भी हटाया गया। मार्केट क्षेत्र के सामने भी अतिक्रमण साफ किया गया। विरोध के बावजूद कार्रवाई जारीमार्केट के सामने ग्रिल बेल्ट में जब एक खोखे पर जेसीबी चली, तो एक स्थानीय व्यक्ति ने विरोध जताया। हालांकि अन्य सेक्टरवासियों और अधिकारियों की समझाइश के बाद स्थिति सामान्य हो गई और अभियान बिना किसी बड़े व्यवधान के आगे बढ़ता रहा। सेक्टर में 5 से 10 फीट तक फैले थे निजी दायरेकई संपत्ति मालिकों ने घरों के आगे 5 से 10 फीट तक जमीन पर कब्जा जमा रखा था। कहीं लोहे की ग्रिल लगाकर स्थायी घेराबंदी की गई थी, तो कहीं छोटे-छोटे दीवारनुमा अवरोध खड़े कर पड़ोसियों से दूरी बनाने के नाम पर सार्वजनिक जमीन को निजी बना लिया गया था। रैंप, चबूतरे और अन्य संरचनाओं के जरिए सड़क की चौड़ाई तक सिकुड़ चुकी थी। शहर में दिख रहा हाई कोर्ट के आदेश का असरयह पूरी कार्रवाई हाई कोर्ट के निदेर्शों के बाद राज्य सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल की ओर से 16 अप्रैल को जारी आदेश के तहत की गई।

आदेश में एचएसीवीपी के सीए के माध्यम से सड़क और उससे सटी सरकारी जमीन पर बने हर प्रकार के अवैध निर्माण चबूतरे, रैंप, बागवानी और अन्य संरचनाओं को हटाने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि, अभियान के दौरान रैंप पर टीम ने नरमी दिखाई। अगले सप्ताह फिर से अवैध कब्जे पर चलेगी जेसीबी एचएसवीपी के एसडीओ राम प्रसाद ने बताया कि तीन जेसीबी की मदद से यह कार्रवाई की गई और पुलिस बल की देरी के कारण शुरूआत देर से हो सकी। सेक्टर 16-17 के मकान नंबर 936 तक कार्रवाई पूरी कर ली गई है और अगले सप्ताह भी यह अभियान जारी रहेगा।

धर्मार्थ ट्रस्ट को आयकर छूट देने पर दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला- राहत से पहले पहले गहन जांच जरूरी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक अहम निर्णय में कहा कि आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) किसी धर्मार्थ ट्रस्ट की गतिविधियों की उचित जांच किए बिना उसे सीधे कर छूट का लाभ नहीं दे सकता। न्यायमूर्ति दिनेश मेहता व न्यायमूर्ति विनोद कुमार की पीठ ने यह भी कहा कि आईटीएटी ने एक कानूनी गलती की है। जांच बिना किया रजिस्ट्रेशन न्यायाधीकरण ने मामले को ठीक से जांचने के लिए वापस भेजने के बजाय सीधे ही रजिस्ट्रेशन दे दिया। पीठ ने कहा कि यह नजरिया पहली नगर में गलत है कि रजिस्ट्रेशन के समय कमिश्नर को ट्रस्ट की असलियत की जांच करनी चाहिए, न कि यह देखना चाहिए कि ट्रस्ट की कमाई चैरिटेबल या धार्मिक कामों पर खर्च हो रही है या नहीं। इसके साथ ही पीठ ने निर्देश दिया कि यह प्रक्रिया तीन महीने के भीतर पूरी की जाए।कटौती का दावा करने की अनुमति दालत ने उक्त टिप्पणी करते हुए सुकून एसपी फाउंडेशन नामक धर्मार्थ ट्रस्ट को पंजीकरण और अनुमोदन प्रदान करने का निर्देश देने संबंधी आइटीएटी के आदेश को रद कर दिया। ट्रस्ट ने आयकर अधिनियम की धारा 12ए (एक) (एसी)(तीन) के तहत पंजीकरण और धारा 80जी के तहत अनुमोदन के लिए आवेदन किया था।किसी धर्मार्थ ट्रस्ट को अपनी आय पर आयकर से छूट प्राप्त करने के लिए धारा 12ए/12एबी के तहत पंजीकरण आवश्यक है। धारा 80जी के तहत अनुमोदन से ऐसे ट्रस्ट में दान करने वाले दाताओं को अपने दान पर कर कटौती का दावा करने की अनुमति मिलती है। डॉक्यूमेंट्स तक नहीं दे सके आईटीएटी ने ट्रस्ट की याचिका को स्वीकार करते हुए कहा कि आयुक्त का आदेश अस्पष्ट था और ट्रस्ट की प्रामाणिकता स्थापित करने के लिए पर्याप्त सामग्री मौजूद थी। इसके बाद आइटीएटी ने पंजीकरण और अनुमोदन प्रदान करने का निर्देश दिया। उक्त निर्देश को हाई कोर्ट में दी गई थी चुनौती। आयकर कमिश्नर (छूट) ने इस आधार पर आवेदन खारिज कर दिया कि ट्रस्ट लाभार्थियों की जानकारी और ट्रस्ट की गतिविधियों की असलियत साबित करने वाले सहायक दस्तावेज नहीं दे सका था।

नौकरानी है या 'गोल्ड लेडी'? चोरी के गहनों पर चल रहे थे 15 गोल्ड लोन अकाउंट; रईसी देख दिल्ली पुलिस भी रह गई दंग

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली के शालीमार बाग क्षेत्र में दो घरों में ढाई करोड़ रुपये कीमत के सोने के आभूषण व नकदी चुराने वाली घरेलू सहायिका के विभिन्न बैंकों में 15 गोल्ड लोन अकाउंट और उसमें रखे सोने की जानकारी सामने आने के बाद पुलिस भी हैरत में पड़ गई। आरंभिक जांच में सामने आया है कि घरेलू सहायिका के विभिन्न बैंकों में 15 गोल्ड लोन अकाउंट हैं और इनमें तीन में दो किलोग्राम सोना रखा गया है। अकाउंट में रखे आभूषणों की कीमत तीन करोड़ आंकी गई है। पुलिस का मानना है कि 15 गोल्ड लोन अकाउंट मिलना किसी बड़े वित्तीय नेटवर्क की ओर इशारा कर रहा है।बैंक अकाउंट फ्रीज कर जांच शुरू जांच में आरोपित महिला के सहयोगियों की संलिप्तता के संकेत भी मिले हैं। सभी अकाउंट दिल्ली में खुले हैं। पुलिस ने आरोपित का बैंक अकाउंट फ्रीज कर जांच आरंभ कर दी है। जांच में यह भी पता चला है कि बैंक से सोने की एवज में आरोपित ने पांच लाख रुपये का लोन भी लिया है। 18 साल पहले पंजाबी बाग थाने में दर्ज प्राथमिकी में आरोपित महिला का नाम दर्ज पाया गया है।उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि 19 अप्रैल को शालीमार बाग के बीक्यू-ब्लाक स्थित व्यवसायी विजयपाल गुप्ता के घर में चोरी के मामले में पुलिस ने घरेलू सहायिक सोना उर्फ के. सोनिया (45 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। आरोपित आदतन अपराधी है। आरोपित के सुनियोजित तरीकों एवं पुलिस से बचने के प्रयासों के कारण यह मामला चुनौतीपूर्ण था। सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण और तकनीकी निगरानी के माध्यम से पुलिस आरोपित तक पहुंच पाई।

जिला पुलिस उपायुक्त के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपित ने पुलिस को बताया कि उसने चोरी किए गए सोने के आभूषणों को विभिन्न बैंकों में गिरवी रखकर लोन प्राप्त किया। जांच में अब तक 15 गोल्ड लोन अकाउंट का पता चला है, जिससे बड़े वित्तीय नेटवर्क उजागर हुआ है। अभी तक मुथूट फिनकार्प, मुथूट फाइनेंस बैंक एवं फेड बैंक में लगभग दो किलोग्राम सोने के आभूषण चिन्हित किए गए हैं। आरोपित महिला का बैंक खाता फ्रीज कर दिया गया है तथा शेष चोरी के आभूषणों की बरामदगी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। आरोपित से मिली एक लाख की राशि जब्त की गई है। ज्यादातर गोल्ड अकाउंट रोहिणी सेक्टर-3, सेक्टर-7 व सेक्टर-16 स्थित विभिन्न बैंकों की शाखाओं में हैं। चोरी में सहयोगियों की संलिप्तता के संकेत जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि जांच में आरोपित महिला के सहयोगियों की संलिप्तता के संकेत मिलने के बाद पहचान एवं जांच की जा रही है। जानकारी मिली है कि सोना जिस मकान में रहती है, वहां उसकी मां और बहनों का आना-जाना है। भाई एक आपराधिक मामले में जेल में है। आरोपित की एक बेटी बताई जा रही है। मूलतः चेन्नई की रहने वाली सोना उर्फ के. सोनिया लंबे समय से दिल्ली में रह रही है।

जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि आरोपित महिला की शालीमार बाग में 19 अप्रैल और 29 सितंबर 2025 को हुई चोरी की घटना में संलिप्तता सामने आई है। इसके अलावा वर्ष 2008 में पंजाबी बाग थाने में दर्ज प्राथमिकी में भी सोना का नाम सामने आया है। उसके खिलाफ लूट के दौरान जानबूझकर चोट पहुंचाने व चोरी की संपत्ति रखने की धारा के तहत मामला दर्ज पाया गया है। घरेलू सहायिका ने घर में पाल रखे थे चार विदेशी खूंखार कुत्ते

घर में किसी अवांछित की एंट्री रोकने के लिए आरोपित महिला ने चार विदेशी नस्ल के खूंखार कुत्ते पाल रखे थे। इस कारण पुलिस को भी घर के भीतर जाने में मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस को घर में पिटबुल, अमेरिकन बुली व हाइब्रिड कुत्ते मिले।

दिल्ली का बुराड़ी इलाका बना अवैध शराब का हॉटस्पॉट, घरों के बाहर लगती हैं लंबी लाइनें; धड़ल्ले से हो रही बिक्री

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली का बुराड़ी इलाका इन दिनों अवैध शराब कारोबार का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। करीब दस लाख की आबादी वाले इस क्षेत्र में एक भी अधिकृत शराब ठेका न होने के कारण अवैध कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं। हालत यह है कि यहां की कई गलियों और कॉलोनियों में घरों से खुलेआम हरियाणा से लाई गई शराब बेची जा रही है, जिससे कानून-व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। महिलाएं और पुरुष दोनों ही इस कारोबार में शामिल स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, बुराड़ी के पांच वार्डों में दर्जनों से अधिक ऐसे घर चिन्हित किए गए हैं, जहां से नियमित रूप से अवैध शराब की बिक्री हो रही है। संत नगर, झड़ौदा, जगतपुर, मिलन विहार और यमुना पुश्ता समेत कई कालोनियां इस गैरकानूनी गतिविधि की चपेट में हैं। यहां महिलाएं और पुरुष दोनों ही इस कारोबार में शामिल बताए जाते हैं, जिससे यह नेटवर्क और मजबूत होता जा रहा है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यह पूरा कारोबार पुलिस प्रशासन की जानकारी के बिना संभव नहीं माना जा रहा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बीट पुलिस को इन गतिविधियों की पूरी जानकारी है, लेकिन कथित सांठगांठ के चलते कार्रवाई नहीं की जाती। इससे अवैध शराब माफियाओं के हौसले और बढ़ गए हैं। जानकारी के मुताबिक, अवैध शराब मुख्य रूप से हरियाणा से कम कीमत पर लाई जाती है। रात के समय भारी मालवाहक वाहनों के जरिए इसे गुप्त रूप से इलाके में उतारा जाता है और फिर छोटे-छोटे नेटवर्क के माध्यम से घरों तक पहुंचाया जाता है। इसके बाद इन्हीं घरों से 24 घंटे शराब की बिक्री जारी रहती है।अवैध शराब की आसान उपलब्धता के कारण इलाके में झगड़े और आपराधिक घटनाओं में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है। खुले में शराब पीने और नशे में विवाद की घटनाएं आम हो गई हैं, जिससे स्थानीय निवासियों में भय और असुरक्षा का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय कालोनियों में जहां से अवैध शराब बेची जा रही है वहां लोगों की लाइनें लगती हैं। खासकर श्रमिक वर्ग के लोग अधिक संख्या में यहां पहुंचकर लाइन लगाकर शराब खरीदते दिखते हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इस अवैध कारोबार पर सख्त कार्रवाई की जाए और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत किया जाए। साथ ही, अधिकृत शराब ठेका खोलने या वैकल्पिक व्यवस्था पर भी विचार करने की बात कही जा रही है, ताकि अवैध गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके।

1 करोड़ की लूट में दिल्ली पुलिस का हेड कॉन्स्टेबल गिरफ्तार, पहले से 3 मुकदमे दर्ज; फिर भी ड्यूटी पर था तैनात

नई दिल्ली। दिल्ली में एक करोड़ रुपये की लूट के मामले में दिल्ली पुलिस का हेड कॉन्स्टेबल गिरफ्तार किया गया है। बाड़ा हिंदू राव थाना पुलिस ने आरोपी हेड कॉन्स्टेबल को गिरफ्तार किया है। शुरूआती जांच में पता चला कि समय सिंह मीणा 2009 बैच का सिपाही है। इस पर पहले भी तीन मुकदमे दर्ज हैं। फिर भी दिल्ली पुलिस की बटालियन में तैनात था। पुलिस के अनुसार, इस पर जो तीन मुकदमे हैं, वे सराय रोहिल्ला और चांदनी महल थाना इलाके के हैं। इसमें भी वह पकड़ा जा चुका है, उसके बाद भी दिल्ली पुलिस में तैनात था। इसने 31 मार्च को लूट की वारदात को अपने साथियों के साथ अंजाम दिया था, जिसके बाद इसके सभी साथी पहले ही पकड़े जा चुके हैं। वारदात के बाद से था फरार बताया कि ये वारदात के बाद फरार हो गया था। दिल्ली पुलिस सूत्रों का कहना है कि इस आरोपी को तलाशने के लिए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का सहारा लिया गया, जिसके बाद इसकी टेक्निकल सर्विलांस के जरिए जानकारी जुटा गई।बताया गया कि यह राजस्थान के दौसा में छिपा बैठा था आरोपी कॉन्स्टेबल बहुत शातिर है और हर बार लूट की बड़ी वारदात को अंजाम देता था। मार्च में इसने तकरीबन एक करोड़ से ज्यादा की लूट की वारदात को अंजाम दिया था, जिसके बाद अपने साथियों संग फरार हो गया था।

पुलिस और परिवहन विभाग की शह पर दिल्ली में 3 लाख से ज्यादा अवैध ई-रिक्शे, रोजाना 100 रुपये की वसूली का सिस्टम

नई दिल्ली। दिल्ली में चल 3 लाख से अधिक अवैध ई-रिक्शे चल रहे हैं, मगर सरकार का इस पर ध्यान नहीं है। प्रतिदिन यातायात पुलिस और परिवहन विभाग के भ्रष्ट अधिकारियों के कारण अवैध ई-रिक्शा का संचालन हो रहा है। दुर्घटना का भी खतरा रहता है। अवैध ई-रिक्शा जब्त नहीं हो रहे, कार्रवाई के नाम पर पंजीकरण वाले ई-रिक्शा के ही चालान कट रहे हैं। ई-रिक्शा से संबंधित विभिन्न संगठनों ने जताई इस पर नाराजगी जताई है। दिल्ली में बढ़ रहे प्रदूषण को देखते हुए पर्यावरण की दृष्टि से ई-रिक्शा लास्टमाइल कनेक्टिविटी के साधन के रूप में बेहतर विकल्प माना गया है और कम रुपये में लोग अपनी आवागमन छोटी दूरी का आवागमन कर पा रहे हैं। मगर इसे भ्रष्टाचार कहें या सरकारी एजेंटीयों की लापरवाही कि अवैध ई-रिक्शा समस्या बनते जा रहे हैं। कहीं नाबालिग ई-रिक्शा चलाते नजर आ रहे हैं, बगैर पंजीकरण वाले ई-रिक्शा नजर आ रहे हैं नियमों को ताक पर चलने वाले रिक्शा भी नजर आ रहे हैं। ऐसा दिल्ली में खूब हो रहा है। परिवहन विभाग की मानें तो दिल्ली में केवल 2 लाख 40000 ई-रिक्शा ही पंजीकृत हैं, जबकि विभाग की जानकारी विभाग के अनुसार ही दिल्ली में 5 लाख से अधिक ई-रिक्शा चल रहे हैं। जिसमें 3 लाख अवैध रूप से रिक्शा चल रहे हैं जिनका न तो चालान काटा जा सकता है और जिन पर न कोई और कार्रवाई हो सकती है, केवल इन्हें जब्त किया जा सकता है। प्रतिदिन 100 रुपये का भुगतान ई-रिक्शा के कारोबार से जुड़े लोगों की मानें तो परिवहन विभाग और पुलिस दिल्ली पुलिस यातायात पुलिस की मिलीभगत से प्रतिदिन करोड़ों रुपये भ्रष्ट यातायात पुलिस और परिवहन विभाग के अधिकारियों की जेब में जा रहे हैं। हर जगह महीना बंधा हुआ है और अवैध ई-रिक्शा चालक प्रतिदिन 100 रुपये इन एजेंसियों को भुगतान करता है। ऐसे में उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। बैटरी ई-रिक्शा संघ के चेयरमैन जयभगवान गोयल की मानें तो अवैध ई-रिक्शा वालों के लिए सरकारी एजेंसियां सुविधा यहां तक दे रही हैं कि अगर ऊपर से कोई सख्ती होती है तो अवैध रूप से चलने वाले ई-रिक्शा वालों को पहले से ही जानकारी मिल जाती है और कार्रवाई के नाम पर पंजीकृत ई-रिक्शा वालों पर जुमार्ना लगता है और उनका चालान कट जाता है। मगर अवैध रिक्शा जब्त नहीं होते हैं या नहीं किए जाते हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर व्यवस्था में सुधार कैसे होगा।

'अब कस्टडी में रखकर पूछताछ की जरूरत नहीं', दिल्ली कड़कड़डूमा में वकील पर हमले के 3 आरोपियों को मिली जमानत

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली में कड़कड़डूमा कोर्ट परिसर में अधिवक्ता अमन पर हमले के मामले में अदालत ने तीन आरोपियों को जमानत दे दी। अदालत ने कहा कि मामले की जांच लगभग पूरी हो चुकी है और अब कस्टडी में रखकर पूछताछ की जरूरत नहीं है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुरभि शर्मा वत्स ने उदय सेठी, रोहन कक्कड़ और रोहित सेठी की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। मामला फर्श बाजार थाने में दर्ज है। दोनों पक्षों को चोटें आईं आरोप है कि तीनों ने गत 7 अप्रैल को कोर्ट परिसर में अधिवक्ता अमन पर नुकीली वस्तु से हमला कर दिया, जिससे उनके सिर पर चोट आई। अभियोजन पक्ष ने जमानत का विरोध करते हुए आरोपों को गंभीर बताया, वहीं बचाव पक्ष ने इसे आपसी झगड़ा बताया और कहा कि दोनों पक्षों के लोगों को चोटें आईं। जांच अधिकारी ने अदालत को बताया कि हमले में प्रयुक्त कथित चाबी बरामद कर ली गई है और आगे कुछ बरामद नहीं होना है।अदालत ने सभी परिस्थितियों को देखते हुए तीनों को 25-25 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी। साथ ही साक्ष्यों से छेड़छाड़ न करने और गवाहों को प्रभावित न करने की शर्त भी लगाई।

राघव चड्ढा की तरह क्या आप भी बीजेपी में शामिल होंगे, जवाब में आप सांसद संजय सिंह ने क्या कहा?

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने साफ कहा है कि वे मरते दम तक भाजपा में नहीं जाएंगे। राघव चड्ढा की तरह भाजपा में शामिल होने की संभावना पर पूछे गए सवाल के जवाब में संजय सिंह ने कहा, 'मरते दम तक भाजपा में नहीं जाऊंगा।'

एक यूट्यूब चैनल को दिया इंटरव्यू

एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में संजय सिंह से जब पूछा गया कि क्या भाजपा ने उन्हें अपने पाले में लाने की कोशिश की थी और क्या वे राघव चड्ढा की तरह भाजपा में जा सकते हैं, तो उन्होंने जोरदार जवाब दिया।'संजय सिंह की मोदी भी लेंगे गारंटी' संजय सिंह ने कहा, 'मोदी की एक गारंटी और है कि संजय सिंह कभी भाजपा में शामिल नहीं हो सकते। उनसे पूछिएगा कि एक आदमी हिन्दुस्तान में कौन है जो कभी भाजपा में शामिल नहीं होगा तो वह संजय सिंह का ही नाम लेंगे। मेरी गारंटी मोदी भी ले सकते हैं कि मैं मरते दम तक भाजपा में नहीं जाऊंगा।''जेल भेज दो, चाहे सूली पर चढ़ा दो' उन्होंने आगे कहा कि भाजपा ने उन पर कभी ट्राई भी नहीं किया क्योंकि उन्हें जेल भेज दिया गया था। जब भी वे कोर्ट की तारीख पर आते थे, तो मोदी, शाह और अडानी पर हमला बोलकर जाते थे। संजय सिंह ने कहा, 'मुझे जेल में रखो या सूली पर चढ़ा दो, फर्क नहीं पड़ता।' भाजपा की विचारधारा पर हमला संजय सिंह ने भाजपा की विचारधारा पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा देश को बांटने वाली और हिंदू-मुस्लिम करने वाली है। उन्होंने कहा, 'जो पार्टी अपने देश में रहने वाले दलितों, पिछड़ों, मुसलमानों, ईसाइयों और सिखों के खिलाफ नफरत फैलाए, ऐसी पार्टी से देश का भला होने की उम्मीद नहीं की जा सकती।' संसदीय दल में टूट के बाद उठे सवाल बता दें कि हाल ही में आप के संसदीय दल में टूट के बाद राज्यसभा में केवल तीन सांसद ही बचे हैं। राघव चड्ढा और संदीप पाठक जैसे नेताओं के भाजपा में चले जाने के बाद संजय सिंह से यह सवाल जोर-शोर से पूछा जा रहा है।

दिल्ली में बेटी को पीटने से बचाने पर ससुर की चाकू गोदकर हत्या, थप्पड़ मार पहली मंजिल से घसीटते हुए गली में ले गया

पूर्वी दिल्ली। सीमापुरी इलाके में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। जहां एक युवक ने अपने ही ससुर की चाकू से कई वार करके बेरहमी से हत्या कर दी। ससुर का कसूर इतना था कि उन्होंने बेटी को दामाद से पीटने से बचाया था। जरा सी बात पर भड़के दामाद ने पहले ससुर को थप्पड़ मारा। उसके बाद उन्हें पहली मंजिल से घसीटते हुए नीचे गली तक ले गया, जहां उसे चाकू से ताबड़तोड़ कई वार कर जान ले ली। वारदात के बाद आरोपित फरार आरोप है युवक पहली मंजिल से घसीटते हुए नीचे लाया और गली में चाकू से वार कर दिए। मृतक की पहचान राम जतन (50) के रूप में हुई है। सीमापुरी थाना ने शव को कब्जे में लेकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वारदात के बाद से दामाद फरार है।मृतक ने बेटी को बचाने आया रामजतन परिवार के साथ सीमापुरी में रहते हैं। वीरवार को उनकी बेटी नंदनी अपने पति संदीप के साथ मायके आइ हुई थी। रात को किसी बात पर संदीप अपनी पत्नी को पीटने लगा।

राम जतन ने अपनी बेटी को बचाने की कोशिश की। इससे संदीप भड़क गया।क्रूरता की सारी सीमा की पार

आरोप है कि संदीप ने पहले ससुर को थप्पड़ मारा और फिर उन्हें पहली मंजिल से घसीटते हुए नीचे गली में ले गया। इसके बाद उसने चाकू से कई वार कर दिए, जिससे राम जतन गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी गली में आ गया। पकड़े जाने के डर से आरोपित फरार हो गया। खून से लथपथ हालत में ससुर को जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मजदूर चौकों पर मोबाइल हेल्थ वैन, सामूहिक विवाह व सम्मान राशि की सौगात; सीएम रेखा गुप्ता का एलान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को श्रमिक दिवस के अवसर पर मजदूरों के कल्याण के लिए कई बड़ी घोषणाएं कीं। इनमें मजदूर चौकों पर मोबाइल स्वास्थ्य सुविधाएं शुरू करना, उनकी बेटियों के सामूहिक विवाह कराना और उन्हें सीधा आर्थिक सहायता प्रदान करना शामिल है। अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर धीरपुर स्थित संत निरंकारी अस्पताल निर्माण स्थल पर निर्माण मजदूरों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप दिल्ली सरकार मजदूरों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार मजदूरों की बेटियों के विवाह और उनके बच्चों की शिक्षा के लिए भी सहायता प्रदान करना चाहती है। इसके लिए उन्होंने मजदूरों से अपील की कि वे दिल्ली बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड (डीबीओसीडब्ल्यूडब्ल्यूबी) के पुनः सक्रिय किए गए पोर्टल पर अपना पंजीकरण अवश्य कराएं, ताकि वे सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ ले सकें। मुख्यमंत्री ने बताया कि श्रम विभाग मजदूर चौकों पर विशेष शिविर लगाकर मजदूरों का पंजीकरण कराएगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही गर्भवती महिला मजदूरों को भी सम्मान राशि दी जाएगी। रेखा गुप्ता ने आगे कहा कि सरकार निर्माण स्थलों और मजदूर चौकों पर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए विशेष मोबाइल वैन तैयार कर रही है। साथ ही, मजदूरों की बेटियों के विवाह के लिए सीधा आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाएगी। इस संबंध में सीएम के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर दी गई जानकारी में बताया गया कि कार्यक्रम में 1000 निर्माण श्रमिकों को सुरक्षा किट और श्रमिक परिवारों के 100 बच्चों को शिक्षा किट प्रदान की गई, साथ ही हर वर्ष 35,000 श्रमिकों को प्रशिक्षित करने वाले बड़े स्तर के कौशल विकास अभियान का शुभारंभ किया गया।

उन्होंने घोषणा की कि हर वर्ष मजदूरों की बेटियों के लिए दो सामूहिक विवाह आयोजित किए जाएंगे।श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि मजदूरों के पंजीकरण का पोर्टल कई वर्षों से बंद पड़ा था, जिसे अब पुनः सक्रिय कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पहले डीबीओसीडब्ल्यूडब्ल्यूबी की योजनाओं की किसी को जानकारी नहीं थी, लेकिन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में अब विभिन्न कल्याणकारी पहल शुरू की गई हैं।

दिल्ली जनगणना 2027: घर बैठे स्टेप बाय स्टेप भरें फार्म; 33 सवालों के दें जवाब पर गोपनीय रखें ये जानकारी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में NDMC और दिल्ली छावनी क्षेत्र के बाद अब दिल्ली नगर निगम क्षेत्र में शुक्रवार यानी आज से स्व-गणना की प्रक्रिया शुरू हो रही है। यह प्रक्रिया आज से 15 मई तक चलेगी। इसके बाद 16 मई से कर्मचारी और अधिकारी घर-घर पहुंचकर जानकारी जुटाएंगे। इस प्रोसेस को लोग घर बैठे ही मोबाइल ऐप या पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन भर सकते हैं। 16 मई से हाउसिंग सर्वे शुरू होने पर वह घर आने वाले सरकारी कर्मी से इसका सत्यापन करा सकते हैं। पहले चरण में दिल्लीवासियों के घर एवं उनकी आर्थिक स्थिति की जानकारी जुटाई जा रही है। इसमें उनसे पूछा जाएगा कि वह किस प्रकार के मकान में रहते हैं। उनके घर की दीवार, छत, फर्श आदि किस सामग्री से बनी है। वह अपने मकान में रहते हैं या किराये पर।लगभग लगेगा 20 मिनट का समय

लोग जनगणना पोर्टल पर लॉग-इन करके खुद से प्रोसेस करेंगे तो इससे जनगणना की ड्यूटी में लगे अधिकारियों को काफी मदद मिलेगी। इस प्रोसेस में एक व्यक्ति को लगभग 20 मिनट लगेंगे। बताया गया कि मकान मालिक और किराएदार दोनों ही स्वगणना के प्रोसेस को खुद से कर सकते हैं।इस बार लोगों को जो, नया विकल्प भी दिया गया है, उसका नाम है- सेल्फ एन्यूमरेशन (स्व-गणना) यानी चाहें तो आप खुद भी अपने घर की जानकारी ऑनलाइन भर सकते हैं। इसके लिए पोर्टल se.census.gov.in पर जाना होगा।

स्टेप बाय स्टेप करें प्रोसेस

स्टेप - 1 लॉग इन करें - https://se.census.gov.in h

दिल्ली चुनें, कैप्चा डालें टिपः मैप की बेहतर सटीकता के लिए लैपटॉप/डेस्कटॉप का इस्तेमाल करें

स्टेप - 2 हाउसहोल्ड रजिस्टर करें

हाउसहोल्ड के हेड का नाम डालें (बाद में बदला नहीं जा सकता)

एक मोबाइल नंबर डालें (हर हाउसहोल्ड के लिए अलग) ऑप्शनलः ई-मेल ID डालें

स्टेप - 3 वेरिफाई करें भाषा चुनें

अपनी पसंदीदा भाषा चुनें (आखिरी पसंद) हिंदी, इंग्लिश, बंगाली, तमिल और उर्दू सहित 16 भाषाओं में से चुन सकते हैं। आपके मोबाइल पर भेजा गया OTP डालें

स्टेप - 4 लोकेशन डिटेल्स डालें

जिला चुनें गांव/कस्बा, इलाका और लैंडमार्क भरें

ऑप्शनलः पिन कोड डालें

स्टेप - 5

मैप पर अपना घर मार्क करें

लाल मार्कर को ड्रैग करके अपने घर की सही जगह पर ले जाएं

सेव और नेक्स्ट पर क्लिक करें

इससे अधिकारियों को आपके सेंसस ब्लॉक को पहचानने में मदद मिलती है।

स्टेप - 6

क्वेश्चनेयर भरें

घर और हाउसिंग की डिटेल्स डालें

मदद के लिए टूलटिप्स, नोट्स और FAQs का इस्तेमाल करें

आगे बढ़ने से पहले हर पेज पूरा करें

आप कभी भी वापस जाकर एडिट कर सकते हैं

स्टेप - 7

डिटेल्स रिव्यू करें

प्रीव्यू सेक्शन में सभी एंट्रीज चेक करें

जरूरत हो तो एडिट करें

अगर सबमिट करने के लिए तैयार नहीं हैं तो 'ड्राफ्ट' के तौर पर सेव करें

स्टेप - 8

फाइनल सबमिशन

फाइनल सबमिट पर क्लिक करें (इसके बाद एडिट करने की इजाजत नहीं है)

डेडलाइन से पहले सबमिट करें

आपको रटर/ई-मेल से 11-डिजिट की रए क्छ('ल्ट' से शुरू होती है) मिलेगी

टिपः अपनी रए क्छसेव करें या स्क्रीनशॉट लें

स्टेप - 9

एन्यूमेरेटर

विजिट

जब ऑफिशियल विजिट करें तो अपनी रए ID शेयर करें

अगर ID मैच करती है- डेटा एक्सेप्ट किया जाएगा

अगर नहीं, तो डिटेल्स फिर से इकट्ठा की जाएंगी जनगणना 2027: पहले चरण में पूछे जाएंगे ये 33 सवाल भवन संख्या (नगरपालिका या स्थानीय प्राधिकरण का नंबर) जनगणना मकान नंबर मकान में इस्तेमाल सामग्री (मिट्टी, लकड़ी, सीमेंट, पत्थर आदि) दीवार में इस्तेमाल सामग्री (घास, ईंट, पत्थर, कंक्रीट आदि) छत में इस्तेमाल सामग्री (खपरैल, टिन, लोहे की चादर, कंक्रीट आदि)

16 साल बाद पंकज त्रिपाठी के साथ काम करेंगे प्रियदर्शन

फिल्ममेकर प्रियदर्शन, जिन्होंने हाल ही में हॉरर-कॉमेडी 'भूत बंगला' दी है। इस फिल्म के साथ उनकी और अक्षय कुमार की जोड़ी करीब 16 साल बाद साथ लौटी है। इसके बाद डायरेक्टर अब एक नई कॉमेडी फिल्म बनाने की तैयारी में हैं।

प्रियदर्शन अब एक नई कॉमेडी फिल्म डायरेक्ट करने की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस अनटाइटल्ड फिल्म का अंदाज उनकी पुरानी फिल्मों 'हंगामा' और 'द शौकीन्स' जैसा होगा। खबरों के अनुसार, कहानी 3 बुजुर्ग आदमियों के इर्द-गिर्द घूमेगी, जो अजीब और मुश्किल हालातों का सामना करते हैं। इसमें प्रियदर्शन का वही खास सिचुएशनल ह्यूमर देखने को मिलेगा, जिसके लिए वह जाने जाते हैं। यह प्रोजेक्ट डायरेक्टर के लिए कई पुराने साथियों के साथ फिर से काम करने का मौका भी है।

इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अन्नू कपूर और शुक्ला लीड रोल में नजर आएंगे। प्रियदर्शन करीब 16 साल बाद पंकज त्रिपाठी के साथ काम करेंगे, जिन्होंने पहले 'आक्रोश' में साथ काम किया था। वहीं, सौरभ शुक्ला ने उनके साथ आखिरी बार 'ये तेरा घर ये मेरा घर' (2001) में काम किया था। अन्नू कपूर भी तीन दशक बाद उनके साथ जुड़ रहे हैं। इससे पहले उन्होंने 'मुस्कुराहट' (1992) और 'गर्दिश' (1993) में साथ काम किया था। इसके अलावा, राजपाल यादव भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभा सकते हैं। वहीं, फिल्म की फीमेल लीड की कास्टिंग अभी चल रही है।

प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म से पहले बनेगी ये फिल्म

बताया जा रहा है कि यह फिल्म प्रियदर्शन के 100वें डायरेक्शन प्रोजेक्ट से पहले जल्दी में बनाई जाएगी। उनकी 100वीं फिल्म में मोहनलाल नजर आएंगे और इसकी शूटिंग नवंबर 2026 में शुरू हो सकती है।

हैदराबादी लहजा सीखने के लिए हंसिका मोटवानी ने की घंटों प्रैक्टिस

फिल्मों में किसी किरदार को निभाना सिर्फ कैमरे के सामने अभिनय करना नहीं होता, बल्कि उस किरदार की सोच, रहन-सहन और बोलने के तरीके को पूरी तरह अपनाना भी होता है। कई कलाकार अपने किरदार को असली दिखाने के लिए महीनों तक तैयारी करते हैं। अभिनेत्री हंसिका मोटवानी भी इन दिनों कुछ ऐसी ही मेहनत करती नजर आ रही हैं। वह नई वेब सीरीज 'गली' में अपने किरदार के लिए हैदराबाद की खास बोली और लहजे को सीखने पर काम कर रही है।

अपने किरदार की तैयारी को लेकर हंसिका मोटवानी ने कहा, ''मुझे इस किरदार के लिए डायलॉग्स बोलने के तरीके पर सबसे ज्यादा काम करना पड़ा। सीरीज की कहानी हैदराबाद के पुराने शहर और चारमीनार इलाके के आसपास की दुनिया को दिखाती है, इसलिए मेरे लिए वहां की बोली को सही तरीके से समझना बेहद जरूरी था। मैं चाहती हूं कि मेरे डायलॉग्स बिल्कुल असली लगें और दर्शकों को ऐसा महसूस हो कि मेरा किरदार उसी माहौल का हिस्सा है।''

हंसिका मोटवानी ने कहा, ''मैंने किसी डायलॉग ट्रेनर की मदद नहीं ली। मैंने खुद मेहनत करके अपनी तैयारी की। हालांकि, पूरी टीम साथ बैठकर कई बार वर्कशॉप करती थी, ताकि हर डायलॉग और हर शब्द सही तरीके से बोला जा सके। टीम के साथ बैठकर बार-बार डायलॉग्स पढ़ने और बोलने से मुझे काफी मदद मिली। इससे भाषा की बारीकियों को समझने का मौका मिला।''

हंसिका ने आगे कहा, ''यह अनुभव मेरे लिए बिल्कुल नया था। मैंने पहले कभी इस तरह की बोली या लहजे में काम नहीं किया। यही वजह थी कि शुरुआत में मुझे काफी प्रैक्टिस करनी पड़ी। किसी खास बोली में अभिनय करना आसान नहीं होता, क्योंकि अगर एक छोटा सा शब्द भी गलत बोल दिया जाए तो वह तुरंत लोगों को महसूस हो जाता है। छोटी सी गलती भी दर्शकों के तुरंत पकड़ में आ जाती है, इसलिए मैं हर शब्द के उच्चारण और बोलने के अंदाज को लेकर बहुत सावधान रहती थी।''

उन्होंने कहा, ''इस किरदार को निभाते समय मैं यह भी समझने की कोशिश कर रही थीं कि उस इलाके के लोग कैसे बात करते हैं, कैसे अपनी भावनाएं व्यक्त करते हैं और किस तरह का लहजा इस्तेमाल करते हैं। जब तक कलाकार किरदार की भाषा को सही तरीके से नहीं समझता, तब तक वह उस किरदार के साथ पूरी तरह न्याय नहीं कर सकता।''

कॉकटेल 2 में होगी दीपिका पादुकोण की एंट्री

दीपिका पादुकोण बीते दिनों अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद सुर्खियों में आ गई थीं। इस बीच अब ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि दीपिका 'कॉकटेल 2' में अपने वेरोनिका के किरदार में वापसी कर सकती हैं। ऐसी चर्चाएं हैं कि दीपिका 'कॉकटेल 2' में अपने 'कॉकटेल' के किरदार में ही कैमियो कर सकती हैं। जानिए आखिर क्यों उठीं ऐसी चर्चाएं हैं और क्या है सच्चाई? दरअसल, रेडिट पर एक पोस्ट के बाद से ही फैंस के बीच इस बात को लेकर खूब चर्चा हो रही है कि दीपिका 'कॉकटेल 2' में 2012 की 'कॉकटेल' के लोकप्रिय और बिंदास किरदार वेरोनिका में कैमियो करेंगी। पोस्ट के अनुसार, दीपिका कुछ महीने पहले मैडॉक फिल्म्स के ऑफिस गई थीं। उस समय कई लोगों ने अनुमान लगाया था कि यह मुलाकात 'महावतार' से जुड़ी थी। लेकिन पोस्ट में दावा किया गया है कि दरअसल उन्हें सीक्वल में वेरोनिका के किरदार में आने के लिए बार-बार संपर्क किया जा रहा था। उन्होंने इसके लिए हामी भर दी और उसी दौरान अपने हिस्से की शूटिंग भी कर ली। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित 'कॉकटेल 2' में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 2012 की 'कॉकटेल' का सीक्वल है। हालांकि, इस बार फिल्म की कहानी बिल्कुल अलग होने की बात कही जा रही है।

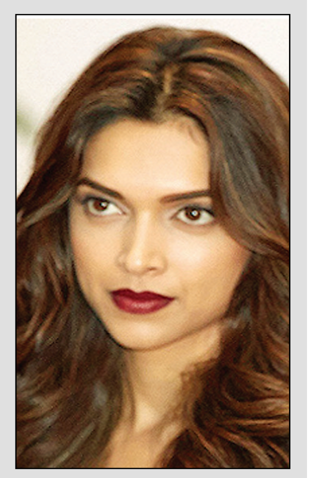

हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में लीड रोल निभाएंगे राणा दग्गुबाती अक्षय भी होंगे फिल्म का हिस्सा

बॉलीवुड के एक्टर अक्षय कुमार 'भूत बंगला' की कामयाबी से खुश हैं। खबरें हैं कि वह जल्द ही एक बड़े बजट की हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में काम करने वाले हैं। उनके साथ साउथ के कलाकार राणा दग्गुबाती होंगे। इस प्रोजेक्ट को लेकर अभी से काफी चर्चा हो रही है। राणा दग्गुबाती एक महत्वाकांक्षी हिस्टोरिकल थ्रिलर फिल्म में लीड रोल निभाएंगे। इसकी कहानी उज्जैन के रहस्यमयी बैकग्राउंड पर आधारित होगी। इस फिल्म की कास्ट में अक्षय कुमार भी शामिल हो गए हैं। मेकर्स ने एक बड़ा सरप्राइज भी छिपाकर रखा है। ऐसी अफवाहें हैं कि कोई टॉप हीरो इस फिल्म में कैमियो कर सकता है। हालांकि प्रोजेक्ट को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक एलान नहीं हुआ है। इस बड़े प्रोजेक्ट को करण जौहर का धर्मा प्रोडक्शंस सपोर्ट कर रहा है। इससे लगता है कि यह प्रोजेक्ट पैन-इंडिया लेवल का होगा। इस फिल्म को चंदू मोंडेती डायरेक्ट करेंगे। चंदू को 'कार्तिकेय 2' को निर्देशित करने के लिए जाना जाता है। वह पुरानी पहेलियों और रहस्यों पर आधारित कहानियां बुनने के लिए जाने जाते हैं। खबरें हैं कि राणा दग्गुबाती फिल्म 'जय हनुमान' की कास्ट में शामिल हो गए हैं। हालांकि अभी तक इस बारे में कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं आई है। यह फिल्म, 2024 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'हनुमान' का सीक्वल है।

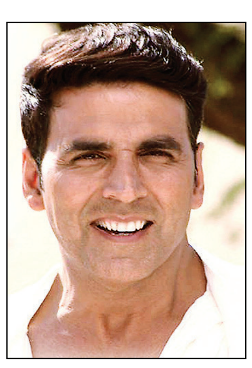

क्या 'पेद्दी' में कैमियो करेंगी श्रुति हासन

राम चरण की अदाकारी वाली फिल्म 'पेद्दी' जून 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने से पहले ही काफी चर्चा में है। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा है। खबरें हैं कि फिल्म के निर्माता श्रुति हासन को लेकर एक स्पेशल गाने की योजना बना रहे हैं।

गल्ट के मुताबिक श्रुति हासन को 'पेद्दी' में एक स्पेशल कैमियो रोल के लिए साइन किया जा सकता है। उम्मीद है कि यह अभिनेत्री एक डांस नंबर में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग अभी बाकी है। रिपोर्ट के मुताबिक इस गाने की शूटिंग 26 अप्रैल, 2026 को हैदराबाद में शुरू हो सकती है। हालांकि, फिल्म निर्माताओं ने अभी तक श्रुति के इस फिल्म में शामिल होने की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म के लेखक और निर्देशक बुची बाबू सना हैं। यह फिल्म पहले 27 मार्च, 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसकी तारीख बढ़ाकर 30 अप्रैल कर दी गई। इसके बाद, इसे एक बार फिर टालकर जून 2026 कर दिया गया। रिपोर्टों के अनुसार, यह फिल्म 25 जून को सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है।

'पेद्दी' के बारे में

खबरों के मुताबिक फिल्म 'पेद्दी' की कहानी एक क्रिकेट टूर्नामेंट के इर्द-गिर्द घूमती है। इस फिल्म में राम चरण मुख्य भूमिका में हैं, जबकि जान्हवी कपूर, शिव राजकुमार, दिव्येंदु शर्मा, जगपति बाबू और बोमन ईरानी भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इसका म्यूजिक ए आर रहमान ने कंपोज किया है।

मृणाल ने किया मना

इससे पहले, ऐसी खबरें थीं कि इसी स्पेशल डांस नंबर के लिए मृणाल ठाकुर पर विचार किया जा रहा था। लेकिन, अब माना जा रहा है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट से खुद को अलग कर लिया है, जिससे अब श्रुति हासन के इस फिल्म में आने की संभावना बढ़ गई है।

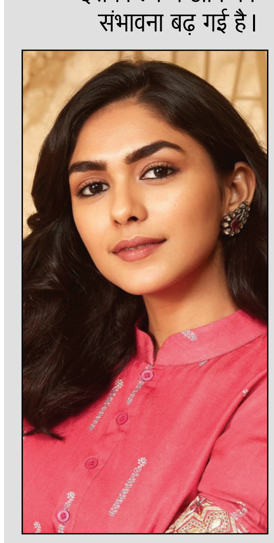

गिन्नी वेड्स सनी 2 में पहली बार मुझे टिपिकल बॉलीवुड मसाला फिल्म करने का मौका मिला

'लैला मजनू', 'ओ रोमियो' जैसी फिल्में हों या 'खाकी: द बिहार चैप्टर', 'काला', 'बंबई मेरी जान' जैसी वेब सीरीज, एक्टर अविनाश तिवारी ने पर्दे पर इंटेंस, ग्रे और गंभीर भूमिकाओं में अपनी अलग धाक जमाई है। लेकिन अब अपनी नई फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' में वह पहली बार नाच-गाने, रोमांस वाली फुल मसाला एंटरटेनर में नजर आ रहे हैं। पेश है उनसे यह खास बातचीत।

ऐसा क्या ढूंढ़ रहे हैं लड़की में, जो नहीं मिल रही?

मेरी जो जरूरतें या चाहतें हैं वो तो अपनी जगह है मगर सबसे जरूरी बात ये है कि वो मुझे झेल पाए। शादी के रिश्ते के सफल होने के लिए बहुत जरूरी है कि दोनों एक-दूसरे के लिए झेल पाएं। मेरा मानना है कि मुझे झेलना थोड़ा मुश्किल है। जैसे, फिल्म में सनी जैसे आदमी को लक्ष्मी, सरस्वती, दुर्गा का रूप सरीखी गिन्नी संभाल सकती है। मेरे जैसे आदमी को झेलने के लिए एक पार्वती भी चाहिए तो ऊपरवाला जब ऐसा कोई बनाएगा तो देखेंगे।

आपको लगता है कि यह फिल्म सही समय पर थिएटर में आ रही है, क्योंकि हाल ही में 'धुरंधर' देखने के लिए दर्शक भर-भरकर कर सिनेमा हॉल पहुंचे?

यह एक चक्र होता है, जिसमें कुछ फिल्में ऐसी आएंगी जो बहुत बिजनेस करेंगी। फिर कुछ ऐसी फिल्में होंगी जो बिल्कुल नहीं चलेंगी। मुझे लगता है कि यह किसी को नहीं पता कि कौन सी चीज दर्शकों को थिएटर में ला सकती है। जब फिल्म चल जाती है तो सब लोग जीनियस हो जाते हैं। सबको पता हो जाता है कि क्या करना है। वहीं, जब फिल्म नहीं चलती है तो हर कोई बोलता है कि इन्हें कुछ नहीं पता, कुछ नहीं आता कि कैसे आएगी ऑडियंस? पर हर किसी की कोशिश तो यही होती है कि उन्होंने जो बनाया है, वो ऑडियंस को पसंद आए। कोई इसलिए तो फिल्म बनाता नहीं है कि कोई उसे देखने ना आए। रही बात 'धुरंधर' की, तो वह बहुत अच्छे से बनाई गई फिल्म है। उसका क्राफ्ट लाजवाब है, स्टोरी टेलिंग जबरदस्त है। वह एक फिल्म है, उसमें कुछ लोग रिएलिटी ढूंढ़ने लगे तो उनकी दिक्कत है। लोगों के अपने-अपने नैरेटिव हैं, मैं उसमें नहीं जाना चाहता लेकिन जहां तक फिल्म मेकिंग के क्राफ्ट की बात है, वो टॉप नॉच है। अच्छी बात यह है कि ऑडियंस भी इवॉल्व हो रही है। इससे उम्मीद बंधती है कि अगर लोग क्वॉलिटी वर्क को सराहेंगे, तो जो लोग क्वॉलिटी काम करते हैं उनका कद बढ़ेगा और मैं उम्मीद करता हूं कि ऐसा हो।

इस फिल्म में पहली बार नाच-गाना, रोमांस-कॉमिडी सब करते दिख रहे हैं। यह अनुभव कितना अलग रहा?

मुझे बहुत मजा आया क्योंकि पहली बार मुझे टिपिकल बॉलीवुड मसाला फिल्म करने का मौका मिला और हर एक्टर ऐसी फिल्म करना चाहता है तो मैं बहुत शुक्रगुजार हूं कि मुझे यह फिल्म मिली। खास बात यह है कि इसे शूट करने से दो दिन पहले तक मैं जो फिल्म शूट कर रहा था वो बहुत ही इंटेंस था तो मुझे इतना वक्त ही नहीं मिल पाया कि मैं उस जोन से निकलकर इसमें आ पाऊं। इसके बावजूद, सब कुछ बहुत मजेदार तरीके से हो पाया, उसका एक बड़ा श्रेय मेरी को-एक्टर मेधा शंकर को जाता है। जब मैं सेट पर आया तो उनका पहला सवाल था- आज रात को हम कहां घूमने जा रहे हैं? तो ऐसी फिल्म के लिए एक जो एनर्जी होनी चाहिए, वो शुरू में ही सेट हो गई। वह इतनी खुशदिल इंसान हैं, जैसे रेगिस्तान में कहीं-कहीं जो हरियाली होती है न, वैसा था।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।